खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-5, अंक-139, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

संपादक - अश्वनी वर्मा

70180-86211

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।"

फ्लोर पर पहुंची... पेज-8

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला... पेज-6

शिमला, वीरवार, 25 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक अश्वनी वर्मा

नुकसान अनुराग ठाकुर को या राजेन्द्र राणा को

प्रचण्ड समय

रणजीत सिंह ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। जो अनुराग ठाकुर के खासमखास माने जाते हैं। वे पिछले चुनावों में राजेन्द्र राणा से महज 399 वोटों से हारे थे। रणजीत सिंह उस समय भाजपा के उम्मीदवार थे और राणा कांग्रेस के। हालात बदले राणा भाजपा में घर वापसी की चुके हैं और रणजीत सिंह कांग्रेस में जाकर राणा को फिर चुनौती देंगे। अब सवाल यही उठेंगे कि नुकसान राणा झेलेंगे या फिर अनुराग ठाकुर। वैसे ये चर्चाएं पहले ही जन्म ले चुकी हैं कि अनंराग को जिता दो और राणा को हरा दो ताकि जय राम ठाकुर फिर से मुख्यमंत्री बनने से रुक जाएं। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि विधानसभा के आम चुनावों में भी भाजपा का एक धड़ा जय राम को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए सक्रिय था। राणा ने जब धूमल को सुजानपुर से हराया तो धूमल मुख्यमंत्री बनने से रह गए थे। यानी धूमल गुट राणा को किसी भी हालत में चहने वाला नहीं है, बेशक राणा कमल लेकर आएं हैं। ऐसे में भाजपा का विधानसभा में अपने ही गणित गड़बड़ा सकते हैं। पर भाजपा का आलाकमान ही आंखों में पट्टी बांधे बैठे हो तो कोई क्या कर सकता है। अब तो यह भी साफ कहा जाने लगा है कि रणजीत सिंह को भाजपा के एक धड़े ने ही किसी विशेष समझौते के तहत कांग्रेस में भेजा है।

सीपीएस की सुनवाई 8 मई तक टलने से कांग्रेस ने राहत की सांस ली

प्रचण्ड समय

सीपीएस मामले की सुनवाई टल गई है। उसकी वजह यह है कि कांग्रेस की चाहत थी कि इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील करें। इसके पीछे कारण यही था कि सुनवाई विधानसभा के उपुचनावों की होने वाली अधिसूचना जारी होने तक टल जाएं। हो भी वैसी ही गया है, जिससे कांग्रेस ने बड़ी राहत ली है। भाजपा की सेच थी कि अगर जल्द सीपीएस के खिलाफ फैसला आ जाता है तो बाद में चुनाव आयोग के दरबाजा खटखटा कर इन सीपीएस की छह सीटों को अनसीट करवा दिया जाए और इन सीपीएस की सीटों पर 1 जून को ही चुनाव हो जाए। निश्चित रूप से भाजपा को बड़ा झटका लगा है। मिशन या आपरेशन लोट्स में सीपीएस के अनसीट होने को भी भाजपा जोड़ कर देख रही थी। फिलवक्त भाजपा को झअका लगा है। और कांग्रेस राहत में है।

सीएम सुक्खू बोले- कांग्रेस पार्टी जल्द घोषित करेगी टिकट, भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या का किया प्रयास

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को गगल एयरपोर्ट पहुंचने पर कहा कि जल्द ही टिकटों की घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस पार्टी चुनावी प्रचार में जुट चुकी है। उन्होंने कहा कि वह धर्मशाला भी आए थे, तब भी चुनावी प्रचार ही था। हमारे सभी प्रत्याशी चुनाव चिह्न का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हमारा प्रचार जनता की अदालत में चल रहा है और भाजपा ने जो बिके हुए विधायकों को खरीदने का काम किया है और लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया है, धर्मशाला की जनता पढ़ी-लिखी है और सब जानती है कि क्या करना है। मुख्यमंत्री ने कहा की जयराम ठाकुर सत्ता और कुर्सी पाने के लिए भगवान को भी चुनौती दे सकते हैं। जयराम ने विधानसभा में कहा था कि इस सरकार को भगवान भी नहीं बचा सकता।

बागी नहीं, दागी हैं भाजपा में गए 6 पूर्व विधायकः धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने भाजपा में गए छह पूर्व विधायकों को दागी करार देते हुए कहा कि इन विधायकों ने अपना दामन दागदार करने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश की संस्कृति को भी दागदार किया। अभी भी यह पूर्व विधायक चुनावी रण से हटकर प्रायश्चित कर सकते हैं तो शायद इनको भगवान क्षमा कर दें। उन्होंने कहा कि छानबीन में सामने आया है कि नौ विधायकों में से पांच विधायक खनन के कारोबार से जुड़े हैं। एक क्रशर की अनुमति होने के बाद एक अन्य अवैध क्रशर बिना अनुमति के ही चला रहे थे और सरकारी भूमि पर खनन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कुछ विधायकों को खरीद सकती है लेकिन प्रदेश के लाखों मतदाताओं को खरीदने की हैसियत किसी में नहीं है और न ही हिमाचल की जनता अपना ईमान बेचती है। उन्हें पूरा भरोसा है कि हिमाचल की जनता इन पूर्व विधायकों की जमानत जब्त करवाएगी।

विधायक किशोरी लाल को सहप्रभारी की जिम्मेदारी

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्य संसदीय सचिव व बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल को धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी है। प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने बताया है कि किशोरी लाल को धर्मशाला विधानसभा उपचुनाव में ब्लॉक व अग्रणी सगंठनों के पदाधिकारियों के साथ तालमेल के साथ चुनाव प्रचार को लेकर बैठकें करने को कहा गया है।

फैसला होते ही मुसाफिर को कांग्रेस में करेंगे शामिल : अवस्थी

कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी ने कहा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गंगू राम मुसाफिर की कांग्रेस में वापसी को लेकर भी कोई विवाद नहीं है। पार्टी की एक प्रकिया है, जिससे गुजरना पड़ता है। नियमों का पालन किया जा रहा है।

संजय अवस्थी ने कहा कि मुसाफिर राजीव भवन में हुई बैठक में आए थे, उन्होंने पार्टी में वापसी का बात कही। उनके नाम की अनुशंसा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से निर्णय लिया जाना है। जल्द ही निर्णय होने पर विधिवत रूप से उन्हें कांग्रेस में शामिल कर दिया जाएगा।

अरबों खर्च करने के बावजूद पूरे नहीं हुए बीजेपी के इरादे

प्रचण्ड समय . शिमला

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक संकट खड़ा करने की भाजपा की साजिश पूरी तरह से नाकाम हो चुकी है और अब भाजपा नेता बौखलाहट में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए अरबों रुपए का लेन-देन किया, विधायकों की ख़रीद फरोख्त की, लेकिन भाजपा की मंशा पूरी नहीं हो सकी। जगत सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस के पास 40 विधायक थे और तीन निर्दलीय विधायक भी राज्य सरकार के साथ थे, फिर भाजपा के पास ऐसी कौन की जादू की झड़ी थी कि तीन निर्दलीय विधायकों के अलावा कांग्रेस के छह विधायक भाजपा के साथ जा मिले।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास हॉर्स ट्रेडिंग के पुख्ता प्रमाण हैं। यह जयराम ठाकुर व भाजपा का सत्ता लोभ ही था, कि उन्होंने प्रदेश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की। सरकार गिराने के षड्यंत्र में केंद्र सरकार ने भी भाजपा का साथ दिया और केंद्रीय एजेसियों का दुरुपयोग किया। कांग्रेस के छह दागी विधायकों को केंद्र सरकार ने सुरक्षा प्रदान की, उन्हें चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टरों की सैर कराई और महँगे फ़ाइव स्टार होटलों में ठहराया। लेकिन इसके बावजूद भाजपा का ऑपरेशन लोट्स फेल हो गया और भाजपा के इरादे कामयाब नहीं हुए।

राजस्व मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की ताक़त है। भाजपा के पास धनबल होगा लेकिन कांग्रेस के पास जनबल है और इसी के सहारे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। यही नहीं वर्ष 2027 में जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए कांग्रेस पार्टी एक फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर सत्ता के बिना मछली की तरह छटपटा रहे हैं और वर्ष 2022 में मिले जनादेश को पचा नहीं पा रहे हैं। इसलिए जो काम जनता के वोट से नहीं हो पाया, उसे भाजपा ने धनबल से करने का प्रयास किया है, जो असफल हो चुका है।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपनी कुर्सी की पेटी अच्छी तरह से बांध कर रखें क्योंकि अभी उन्हें लंबे समय तक इसी कुर्सी पर बैठना पड़ेगा। जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश की जनता बिकाऊ राजनीति नहीं, बल्कि टिकाऊ राजनीति में विश्वास रखती है। इसलिए प्रदेश की जनता ख़रीदने वालों और बिकाऊ नेताओं को सबक़ सिखाने के लिए तैयार बैठी है। एक जून को प्रदेश के मतदाता भाजपा को करारा जवाब देंगे और इसके बाद जयराम ठाकुर का सपना अधूरा रह जाएगा।

खुलकर सामने आ रहे हैं कांग्रेस के आमजन विरोधी इरादे : नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . चंबा/ चुराह

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के इरादे देश के लिए ख़तरनाक हैं। कांग्रेस के नेता अपनी देश और संविधान विरोधी नीतियों से बाज़ नहीं आएँगे। अब तो कांग्रेस के आला नेता हो या सलाहकार, उनके इरादे खुलकर सामने आने लगे हैं। कांग्रेस के नेताओं की अब देश की मां-बहनों के निशानियों पर नज़र हैं। कांग्रेस के बहुत पुराने सलाहकार सैम पित्रोदा ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा से ज़्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस आपसे छीन लेना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष चंबा ज़िला के चुराह मण्डल द्वारा भंजराड़ू में आयोजित पन्ना प्रमुख सम्मेलन में भाग लेने आये थे।

उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट हर पेज के वोटर से संपर्क के लिए एक कार्यकर्ता को पन्ना प्रमुख का दायित्व दिया जाता है। निष्ठा और कार्यकुशलता से काम करने के कारण पन्ना प्रमुख को परिणाम के पहले ही यह पता रहता हैं पार्टी को कितने वोट मिलेंगे। इससे जुड़े कुछ दृष्टांत जयराम ठाकुर ने पन्ना प्रमुखों से साझा किए। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा के कांगड़ा संसदीय सीट प्रत्याशी डॉ. राजीव भारद्वाज को भारी मतों से जिताने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान उनके साथ डॉ. राजीव भारद्वाज, चुराह के विधायक और पूर्व डिप्टी स्पीकर हंसराज समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जयराम ठाकुर ने हंसराज को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी।

नेता प्रतिपक्ष ने संवाददाताओं द्वारा पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि चंबा को फर्स्ट लाने के लक्ष्य के साथ भाजपा की हिमाचल सरकार ने सदैव काम किया।

कई महत्वाकांक्षी और बहुप्रतिक्षित प्रोजैक्ट्स को ज़मीन पर उतारने के लिए गंभीरता से प्रयास किए गए। आगे भी जब मौक़ा मिलेगा चंबा के हितों को मज़बूती देने वाले प्रोजैक्ट्स को भाजपा की हिमाचल सरकार प्राथमिकता से करेगी। इस समय चंबा के विकास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा अपनी प्राथमिकता में रखा। आकांक्षी ज़िला के रूप में चंबा को। विकास की दृष्टि से आगे ले जाने के हर संभव कार्य किए जा रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा के सभी लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के सभी प्रत्याशी एक बार अपने क्षेत्र में जनसंपर्क भी कर आए, हर इलाक़े में पहुंच गए लेकिन अभी तक कांग्रेस अपने लोगों को टिकट ही नहीं दे पाई है। जिसे भी टिकट लेने के लिए कहते हैं वह कोई न कोई बहाना बनाकर अपने हाथ पीछे खींच लेता है। आज कांग्रेस की यह दशा हो गई है कि राज्य में सरकार रहने के बाद भी कांग्रेस से कोई टिकट लड़ने के लिए आगे नहीं आ रहा है। आख़िर यह हालत कैसे हुई, मुख्यमंत्री को इस बारे में सोचना चाहिए। जब वह इन स्थितियों के लिए ईमानदारी से चिंतन करेंगे तो उन्हें प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक उथल-पुथल के जवाब भी मिल जाएँगे और अपना सारा दोष भी दिख जाएगा। डेढ़ साल में सरकार ने एक भी जनहित के काम नहीं किए। विकास के उल्टी दिशा में सरकार चल रही है। जिसके कारण कांग्रेसी नेताओं को अपनी हार साफ़ दिखाई दे रही है और वह चुनाव से किनारा कर रहे हैं।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर

www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

प्रतिभा सिंह 25 अप्रैल से 1 मई तक रामपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार शुरू करेंगी

शिमला . प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह कल 25 अप्रैल से 1 मई तक रामपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार शुरू करेंगी ।

प्रचण्ड समय

इस दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक, वित्त आयोग के अध्यक्ष नंद लाल ,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश वर्मा व अन्य पदाधिकारी भी साथ रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के राजनैतिक सचिव अमित पाल सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिभा सिंह मण्डी संसदीय क्षेत्र के तहत रामपुर बुशैहर से इस चुनाव प्रचार का आगाज करेंगी।

प्रतिभा सिंह 25 अप्रैल को जगोरी, कूट, क्यॉं व ज्योरी में जनसभाएं व पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक करेंगी। रात्रि विश्राम रामपुर रहेगा।

26 अप्रैल को प्रतिभा सिंह कोशगड मझेवली,फुंजा शाह,दोफादा, मशनू,बटाली, धारगोरा,पासड़ा व रचोली में जनसभाएं व पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकें करेंगी। रात्रि विश्राम रामपुर ही रहेगा।

27 अप्रैल को प्रतिभा सिंह काशा, पाट, मुनीश,कुखी, शरनाल,रदोली , दरकाली व सेरिमझाली,स्यारला व तकलेच में जनसभाएं करेंगी।

28 अप्रैल को सिंगला, शनेरी, ढांसा, लालसा,सुंधा व कराली जगुनी सनेई में जनसभाएं करेंगी।

29 अप्रैल को प्रतिभा सिंह नेरी,मझेवटी, फोला, प्लेडा, घाट वियोंथल,बेलू,मदोली, सुरड़,कंदरेडी,सुरड बंगलों, मोझीली टिप्पर व चकटी में जनसभाएं व जनसंपर्क करेंगी।

30 अप्रैल को पांडाधार, झिझनु,थैली,दादरा,लेलन, नवां, डोई ,बराच बरकेली डोई,टूटू व देलठ् बेओठ, कलमोग करांगलाव चुंजा में जनसंपर्क व जनसभाओं को सम्बोधित करेंगी।

1 मई को प्रतिभा सिंह रामपुर में अलग अलग संगठनात्मक बैठके करेंगी। इसमें ब्लॉक महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस व अनुसूचित जाति विभाग की बैठकें होगी। इसके उपरांत प्रतिभा सिंह शिमला लौट आएगी।

पीठासीन और मतदान अधिकारियों को समझाई मतदान प्रक्रिया

शिमला . लोकसभा आम चुनाव-2024 की मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए एक जून को विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात होने वाले नादौन विधानसभा क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों का पहले दौर का पूर्वाभ्यास बुधवार को ब्वायज सीनियर सेकेंडरी स्कूल नादौन में आरंभ हुआ। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रचण्ड समय

इस दौरान एसडीएम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी अपराजिता चंदेल, तहसीलदार नादौन, तहसीलदार गलोड़, उपमंडलीय निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों तथा अन्य मास्टर टेªनरों ने पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इन अधिकारियों को ईवीएम-वीवीपैट की कार्यप्रणाली से अवगत करवाया गया तथा उन्हें प्रशिक्षित किया गया।

इस अवसर पर एसडीएम ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी मतदान प्रक्रिया और ईवीएम-वीवीपैट की कार्यप्रणाली को गहनता एवं गंभीरता के साथ समझें, ताकि एक जून को मतदान प्रक्रिया के दौरान कोई तकनीकी समस्या या अनावश्यक विवाद न हो।

मतदान प्रक्रिया के पूर्वाभ्यास के साथ-साथ सभी पीठासीन, सहायक पीठासीन और मतदान अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी प्रमाण पत्र फार्म 12क और पोस्टल बैलेट फार्म 12 भी प्रदान किए गए, ताकि वे लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में चल रही फ्लॉप सरकार : रणधीर शर्मा

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में अनुभवहीन नेता सरकार चला रहे और इस सरकार को भविष्य में भी फ्लॉप सरकार के रूप में जानी जाएगी। मीडिया विभाग प्रभारी व विधायक रणधीर शर्मा ने शिमला में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के 15 महीने के कार्यकाल को फ्लॉप सरकार की संज्ञा दी जाए तो कोई गलत नहीं होगा। यह सरकार हर क्षेत्र में फेल हुई हैं, इनके कार्यकाल में कोई जनहित की योजना नहीं बनी,कोई चुनावी वायदा पूरा नहीं किया,कोई जन चुनावी गारंटी पूरी तरह से लागू नहीं की गई । उल्टा अनेक जन विरोधी निर्णय लेकर प्रदेश की जनता को प्रताड़ित किया।

प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था बुरी तरह से विफल हुई हैं। हर रोज़ कोई ना कोई बड़ा मुद्दा कानून व्यवस्था से सम्बंधित खड़ा होता है।उन्होंने कहा अभी पालमपुर की घटना को लोग भूले नहीं थे कि पिछले कल शिमला में एक 4 साल की बच्ची के साथ रेप की घटना सामने आ गई । इस सरकार के समय अपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी कांग्रेस सरकार में हुई है। उन्होंने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार के 16 महीने के कार्यकाल में 42 घटनाएं हत्या की हुई है, 34 अटेम्प्ट टू मर्डर के केस दर्ज हुए, 86 बलात्कार,321 चोरी की वारदातें, ड्रग्स से सम्बंधित मामले है 6000 से ऊपर हैं जो कि पुलिस विभाग में दर्ज हैं। यह सरकार की विफलता हैं क्योंकि इस सरकार के कार्यकाल में असामाजिक तत्वों का गुंडा तत्वों का हौसला बढ़ा हैं।और इस सब के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री जिम्मेवार हैं। ज़ब प्रदेश का मुख्यमंत्री खुलेआम शराब पिने वालों को ढील कि बात करे अपनी चुनावी रैली में भूटो को कुट्टो जैसे नारे दे कर अपराधियों के हौसलें बुलंद करते हो तो प्रदेश की क़ानून व्यवस्था किस तरफ जाएगी उस निश्चित ही हैं। प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगड़ी है उसमें इस सरकार का ढिलमुल रवैया, इस सरकार की प्रशासन पर कोई पकड़ ना होना और मुख्यमंत्री द्वारा इस तरह की गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी करना दोषी है, जिसके कारण आज प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही हैं । उन्होंने कहा उन से एक कदम आगे दिल्ली में इनका इंड़ी गठबंधन जनता की सम्पत्ति और गाढ़ी कमाई सर्वे के नाम पर ज़ब्त करने की फ़िराक में है। कांग्रेस और इंडी एलायंस वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई धन दौलत सम्पत्ति घर जमीन जायदाद ज़ब्त करने की फ़िराक में है। आपकी पैतृक संपत्ति और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मेहनत से बनाए गए सभी संसाधनों को भी हड़पने का सपना देख रही कांग्रेस अपने मकसद को पूरा के लिए इसे पुनर्वितरण का नाम दे रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस और इंड़ी गठबंधन के घोषणा पत्र से यह तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट झलक रही है की आम जनता की संपत्ति घर सोना एफडी कुछ भी सुरक्षित नहीं रहेगा यही कांग्रेस का हिडन एजेंडा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता अपने बुद्धि और विवेक से निर्णय करने की आवश्यकता है क्योंकि सामने दो विकल्प हैं। एक तरफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन है जो आपकी पैतृक संपत्ति और गाढ़ी कमाई पर नज़रें गढ़ाए बैठी है और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला विकसित भारत को दृढ़ संकल्पित विकल्प है जो पहले आपको समृद्धशाली बना कर आपकी आय बढाकर आपको आत्मनिर्भर बनाकर देश को समृद्ध आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की राह पर पिछले दस वर्षों से लगातार अथक मेहनत कर रहा है।

गौड़ा में चलाया मतदाता जागरूकता कार्यक्रमः डॉ. जगदीश चंद नेगी

प्रचण्ड समय . सोलन

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गौड़ा में व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (स्वीप) कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक (उच्चतर शिक्षा) सोलन डॉ. जगदीश चंद नेगी ने की।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी है, परन्तु इन्हें प्राप्त करने के लिए कर्तव्य का ज्ञान नहीं है। मतदान करने के लिए सबसे पहले मतदाता के रूप में पंजीकरण करवाना युवाओं का कर्तव्य है। हर एक विद्यार्थी यदि चाहे तो अपने परिवार, अपने आस-पास के उपस्थित मतदाताओं की निर्वाचन में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करके निर्वाचन प्रक्रिया में भागी बन सकता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम में भागी बनने का आग्रह किया और सभी को अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. बी.एन. कमल ने एक-एक वोट के महत्व के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वीप नोडल अधिकारी राजेश ठाकुर व हेमेंद्र शर्मा ने 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले युवाओं को मत बनाने के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप व बी.एल.ओ. के माध्यम अपनाई जाने वाली प्रक्रिया से बारे पूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने मतदान केंद्र पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जैसे व्हील चेयर, कतार रहित मतदान इत्यादि के बारे में भी अवगत करवाया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गौड़ा की प्राचार्या ने निर्वाचन विभाग की तरफ से आई टीम का स्वागत किया। पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा मतदान जागरूकता पर प्रचार एक समूह गान के माध्यम से मतदान का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित स्टाफ सदस्य, अध्यापक अभिभावक संघ तथा स्थानीय पंचायत के पदाधिकारीगण व लगभग 100 छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड के नए परिसर का उदघाटन

पराजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड ने मोहाली के सिसवन-कुराली राजमार्ग स्थित ब्लॉक माजरी के चांदपुर में दृष्टिहीन संस्थान के नए भवन और नेत्र देखभाल केंद्र का भव्य शुभारंभ किया। यह भारत स्थित जापान के दूतावास की वित्तीय सहायता से खोला गया है। यह जापान और भारत के बीच मित्रता और सहयोग की मजबूती को दर्शाता है। यह एनएबी के मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मिशन विकलांग व्यक्तियों को व्यापक सेवाएं प्रदान करता है और नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। इससे पहले, संस्थान भवन का पहला चरण एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से पूरा हो चुका है। विकलांग व्यक्तियों और कमजोर वर्ग की कल्याण गतिविधियों के लिए अब 10हजार वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र उपलब्ध है। इस संस्थान के नेत्र देखभाल केंद्र में निःशुल्क नेत्र शिविर एक नियमित गतिविधि है और अब बहु-विकलांग व्यक्तियों के लिए ऑक्यूपेशनल चिकित्सा उपलब्ध है। संस्थान का उद्घाटन कोडेरा जीरो काउंसलर ऑफ इकोनॉमिक्स सेक्शन एंबेसी ऑफ जापान इन इंडिया साथ ही प्रथम सचिव निशी रयुही एंबेसी ऑफ जापान इन इंडिया की उपस्थिति में किया। विश्व प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ और एडवांस आई सेंटर, पीजीआई के प्रमुख डॉ. एसएस पांडव, रोटरी क्लब ऑफ चंडीगढ़ के पूर्व जिला गवर्नर मधुकर मल्होत्रा और टास्कस के स्वयंसेवकों की 18 सदस्यीय प्रतिष्ठित टीम ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई I टास्कस पिछले 3 वर्षों से नेत्र जांच, ऑक्यूपेशन थेरेपी, वोकेशनल ट्रेनिंग और केंद्र में आवश्यक अन्य उपकरणों की साज-सज्जा करने में मदद कर रहा है। एडवांस आई सेंटर, पीजीआई के सहयोग से परिसर में एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों और अन्य लोगो की आंखों की जांच की गई। जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए इस संस्थान का उद्देश्य शिक्षा, वोकेशनल ट्रेनिंग, सहायक उपकरण प्रशिक्षण, विकलांग व्यक्तियों और पिछड़े वर्ग के लिए रिहैबिलिटेशन और रोजगार के अवसरों के माध्यम से इन्हे सशक्त बनाना है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और एक कुशल अनुभवी टीम द्वारा संचालित है। मुख्य अतिथि, एंबेसी ऑफ जापान इन इंडिया से कोडेरा जीरो ने कहा कि "जापान वैश्विक कल्याण के लिए मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। दृष्टिहीन संस्थान और नेत्र देखभाल केंद्र को हमारा समर्थन भारत के साथ हमारे साझा मूल्यों को दर्शाता है।"एनएबी के अध्यक्ष विनोद चड्ढा ने कहा, "हम भारत में जापान के दूतावास और जापान के लोगों के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने हमारे संस्थान भवन के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

प्रचण्ड समय

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा की राजनीतिक संकट खड़ा करने की साज़िश हुई नाकाम : नेगी

शिमला . राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक संकट खड़ा करने की भाजपा की साजिश पूरी तरह से नाकाम हो चुकी है और अब भाजपा नेता बौखलाहट में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए अरबों रुपये का लेन-देन किया, विधायकों की ख़रीद फरोख्त की, लेकिन भाजपा की मंशा पूरी नहीं हो सकी।

प्रचण्ड समय

जगत सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस के पास 40 विधायक थे और तीन निर्दलीय विधायक भी राज्य सरकार के साथ थे, फिर भाजपा के पास ऐसी कौन की जादू की झड़ी थी कि तीन निर्दलीय विधायकों के अलावा कांग्रेस के छह विधायक भाजपा के साथ जा मिले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास हॉर्स ट्रेडिंग के पुख्ता प्रमाण हैं। यह जयराम ठाकुर व भाजपा का सत्ता लोभ ही था, कि उन्होंने प्रदेश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की। सरकार गिराने के षड्यंत्र में केंद्र सरकार ने भी भाजपा का साथ दिया और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया। कांग्रेस के छह दागी विधायकों को केंद्र सरकार ने सुरक्षा प्रदान की, उन्हें चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टरों की सैर कराई और महँगे फ़ाइव स्टार होटलों में ठहराया। लेकिन इसके बावजूद भाजपा का ऑपरेशन लोट्स फेल हो गया और भाजपा के इरादे कामयाब नहीं हुए।

राजस्व मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की ताक़त है। भाजपा के पास धनबल होगा लेकिन कांग्रेस के पास जनबल है और इसी के सहारे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। यही नहीं वर्ष 2027 में जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए कांग्रेस पार्टी एक फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर सत्ता के बिना मछली की तरह छटपटा रहे हैं और वर्ष 2022 में मिले जनादेश को पचा नहीं पा रहे हैं। इसलिए जो काम जनता के वोट से नहीं हो पाया, उसे भाजपा ने धनबल से करने का प्रयास किया है, जो असफल हो चुका है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपनी कुर्सी की पेटी अच्छी तरह से बांध कर रखें क्योंकि अभी उन्हें लंबे समय तक इसी कुर्सी पर बैठना पड़ेगा। जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश की जनता बिकाऊ राजनीति नहीं, बल्कि टिकाऊ राजनीति में विश्वास रखती है। इसलिए प्रदेश की जनता ख़रीदने वालों और बिकाऊ नेताओं को सबक़ सिखाने के लिए तैयार बैठी है। एक जून को प्रदेश के मतदाता भाजपा को करारा जवाब देंगे और इसके बाद जयराम ठाकुर का सपना अधूरा रह जाएगा।

एसडीएम ऑफिस कोटली से एसबीआई कोटली तक नो पार्किंग जोन घोषित

मंडी . जिला दंडाधिकारी मंडी अपूर्व देवगन ने एसडीएम ऑफिस कोटली से मेन चौक कोटली तथा मैन चौक कोटली से एसबीआई कोटली तक 'नो पार्किंग जोन' घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनहित में जारी की हैं जो कि तुरंत प्रभाव से लागू हो गई हैं। जिला दंडाधिकारी मंडी द्वारा नो पार्किंग जोन घोषित करने से एक माह पहले इसको लेकर प्रारूप अधिसूचना जारी की गई थी।

प्रचण्ड समय

प्रारूप अधिसूचना में इस बारे किसी को कोई आपत्ति होने पर लिखित में आपत्तियां मांगी गई थी। परन्तु निर्धारित अवधि में कोई भी आपत्ति प्राप्त न होने पर एसडीएम ऑफिस कोटली से मेन चौक कोटली तथा मैन चौक कोटली से एसबीआई कोटली तक नो पार्किंग जोन की अंतिम अधिसूचना जारी कर दी गई है।

एचआरटीसी के पेंशनरों ने सभी बकाया भुगतान 31 मई तक अदा करने का दिया अल्टीमेटम, नहीं मिले तो चुनावों में करेंगे विरोध

प्रचण्ड समय . मंडी

हिमाचल पथ परिवहन निगम के पेंशनरों ने सरकार व एचआरटीसी प्रबंधन पर उनके सभी लाभ व भत्ते रोकने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन व सरकार ने 1 मई से 31 मई 2024 के बीच उनके सभी लंबित भुगतान अदा नहीं किए तो लोक सभा चुनावों में लगभग 8500 हजार पेंशनर्ज या तो नोटा का बटन दबाएंगे या सरकार के खिलाफ वोट देंगे। बुधवार को मंडी के विश्वकर्मा मंदिर परिसर में हिमाचल परिवहन सेवानिवृत कर्मचारी कल्याण मंच की बैठक प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष बृज लाल ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें प्रदेश भर से आए परिवहन पेंशनरों ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 1 जनवरी 2016 के उपरांत पेंशन से संबंधित उनके सभी भुगतान लंबित हैं। मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री से यह सपष्ट करने को कहा कि जब प्रदेश सरकार के अन्य कर्मचारियों को लंबित भुगतानों की 50 हजार रूपए की पहली किस्त पूर्व सरकार ने और आयु के आधार पर 15, 20, 25 व 35 प्रतिशत बकाया भुगतान उनकी

सरकार ने कर दिया तो एचआरटीसी के पेंशनरों को क्यों भुगतान नहीं किया गया। एचआरटीसी के पेंशनरों को तो न पहली और न दूसरी किस्त का ही भुगतान किया गया। बताया जाए कि राज्य सरकार ने अपने वरिष्ठ कर्मचारियों को 65,70 व 75 साल पूरे करने पर संशोधित पेंशन पर 5,10 व 15 प्रतिशत भत्ता अदा कर दिया और वर्तमान में भी इसे दिया जा रहा है तो इससे एचआरटीसी के पेंशनरों को क्यों वंचित रखा गया है। सरकार परिवहन निगम से सेवानिवृत 8500 कर्मचारियों के खिलाफ लाखों रूपए खर्च करके उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट में जा रही है, वहां पर उसे हार का भी सामना करना पड़ा है मगर इसके बावजूद भी सरकार ने उनके लंबित भुगतानों को अदा नहीं किया। निगम से सेवानिवृत हुए हजारों कर्मचारियों को 4,9,14, 8 और 32 वर्ष एवं चालकों व परिचालकों बिना पदोन्नति दी जाने वाली दो वेतन वृद्धियां को भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा है। निगम के बहुत से कर्मचारी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, उनके इलाज के लिए किए खर्चे के मेडिकल बिलों का भुगतान नहीं हो रहा है। मांग की गई कि इस भुगतान को जल्द से जल्द किया जाए। सरकार को अल्टीमेटम दिया गया कि 1 मई 2024 व 31 मई 2024 तक समस्त भुगतान करना सुनिश्चित करे। यदि सरकार व प्रबंधन ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं तो निगम के लगभग 8500 सेवानिवृत्त कर्मचारी व उनके परिवार विधानसभा उपचुनाव व लोक सभा के चुनावों में या तो नोटा का बटन दबाएंगे या फिर प्रदेश सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे। इस बैठक को प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष बृज लाल ठाकुर के अलावा प्रदेश महामंत्री रूप चंद शर्मा, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक पराशर, मंडल सुरेंद्र सूद, प्रदेश उपाध्यक्ष बेली राम कुल्लवी, मंडी के अध्यक्ष हेम राज शर्मा, महामंत्री यशपाल, अर्की के अध्यक्ष बलबीर सिंह चौधरी, जिला सचिव सोलन रघुनाथ शर्मा , अध्यक्ष सुंदरनगर इकाई कर्म सिंह ठाकुर आदि ने भी संबोधित किया।

राजीव के हाथ के खाने का स्वाद आज तक नहीं भूले मुख्यमंत्री

प्रचण्ड समय . कांगड़ा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को एक बार फिर सादगी की मिसाल पेश की। नादौन से गग्गल एयरपोर्ट जाते समय मुख्यमंत्री कांगड़ा बाईपास पर एकाएक रुक गए।

साथ में मौजूद स्टाफ को लगा किसी काम से रुके होंगे, लेकिन वह गाड़ी से उतरते ही सड़क किनारे खड़ी फूड वैन की तरफ चल पड़े। मुख्यमंत्री को देखकर फूड वैन संचालक राजीव शर्मा उनकी ओर दौड़े।

राजीव ने दुआ सलाम कर मुख्यमंत्री का कुशलक्षेम जाना तो मुख्यमंत्री ने राजीव को गले लगा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव से उनकी पुरानी जान पहचान है। राजीव खाना बहुत अच्छा बनाते हैं। उनके हाथ के खाने का स्वाद आज तक नहीं भूला।

मुख्यमंत्री ने राजीव को 50 फीसदी सब्सिडी पर इलेक्ट्रिक वाहन लेने के लिए कहा। मुख्यमंत्री के रुकने पर राजीव गदगद हो गए। उन्होंने मुक्त कंठ से मुख्यमंत्री सुक्खू की तारीफ की।

राजीव ने बताया कि वह कांगड़ा के गांव अब्दुल्लापुर से हैं। बीते आठ साल से वह फूड वैन लगाकर जीवनयापन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने 2022 में उनके पास खाना खाया था। वह नगरोटा बगवां में प्रियंका गांधी जी के रोड शो में शामिल होने जा रहे थे।

उसके बाद एक बार दोबारा दुआ सलाम हुई। बुधवार को मुख्यमंत्री एक बार फिर उनके पास रुके और हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री बहुत ही मिलनसार हैं। वह हर किसी से मिलते हैं और गरीबों की मदद करना उनके स्वभाव में है। आपदा में उन्होंने बाढ़ प्रभावितों की काफी मदद की।

अपनी व परिवार की जीवन भर की कमाई 51 लाख रुपये दान कर दी। वह हिमाचल के लोगों के लिए अच्छी योजनाएं ला रहे हैं। हिमाचल में उनकी सरकार बनी है, वह चाहते हैं कि केंद्र में भी उनकी पार्टी की सरकार बने।

भाजपा प्रदेश में 4 जून के बाद सरकार बनाने के दावे पूरी तरह मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसे हैः संजय अवस्थी

प्रचण्ड समय . ऊना

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा है कि भाजपा प्रदेश में 4 जून के बाद सरकार बनाने के दावे पूरी तरह मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसे है। उन्होंने कहा है कि भाजपा के यह सपने कभी पूरे होने वाले नही।

संजय अवस्थी ने हर्ष महाजन के उस दावे को भी पूरी तरह खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने प्रदेश के कुछ ओर कांग्रेस नेताओं के भाजपा में आने की बात कही है। उन्होंने कहा कि भाजपा धनबल से अब कांग्रेस के किसी भी नेता की खरीद फरोख्त नही कर सकती,क्योंकि जिन कांग्रेस विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है उन्हें प्रदेश के लोग कभी माफ नही करेंगे। उन्होंने कहा कि इन विधायकों ने प्रदेश में जनमत का अपमान करते हुए अपने मतदाताओं की भावनाओं से खिलवाड़ किया है और अब इन्हें चुनावों में करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा।

संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश में ठाकुर सुखविंदर सिंह सरकार पूरी तरह मजबूत और स्थिर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अभी भी पूर्ण बहुमत है और 4 जून के बाद कांग्रेस के पास बहुमत का आंकड़ा 40 से ऊपर का होगा। भाजपा को छह की छह विधानसभा उप चुनावों में करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा। अवस्थी ने कहा है कि भाजपा ने एक षड्यंत्र के तहत सरकार को अस्थिर करने का जो प्रयास किया उसमें वह पूरी तरह असफल रही है। कांग्रेस के छह विधायकों की खरीद फरोख्त कर भाजपा ने लोकतंत्र का अपमान किया है। प्रदेश की ईमानदारी छवि को दागदार बनाने की कोशिश की है,इसे प्रदेश के लोग कभी स्वीकार नही करेंगे। प्रदेश अपनी ईमानदारी के लिये जाना जाता है और भाजपा को अपनी इस करनी का फल भुगतान पड़ेगा।

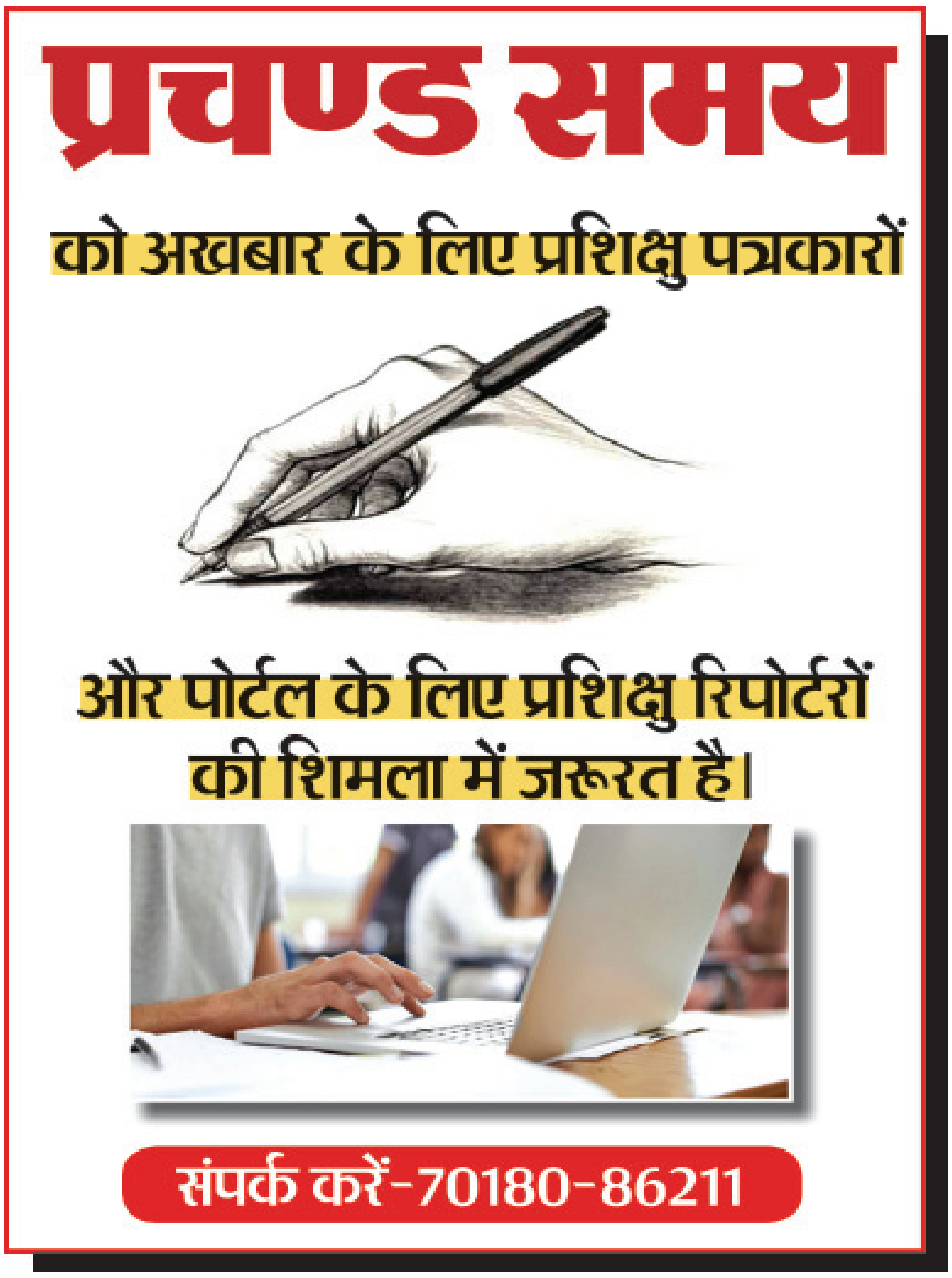

छत्तीसगढ़ के कांकेर में 29 माओवादियों के मारे जाने के बाद सबसे बड़ी आशंका क्या है: ग्राउंड रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाक़े कांकेर में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

पड़ोस के ज़िले बस्तर में बीते 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है। इस मतदान से पहले 16 अप्रैल को कांकेर ज़िला मुख्यालय से क़रीब 160 किलोमीटर दूर आपाटोला-कलपर जंगल के क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 माओवादी मारे गए थे।

पुलिस प्रशासन इस मुठभेड़ को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर पेश कर रहा है।

इस घटना के 48 घंटों के अंदर माओवादियों ने प्रेस रिलीज़ जारी करके कहा कि 'हमारे साथियों ने जंगल क्षेत्र में पनाह ली थी और उनको घेर कर मारा गया है।'

कांकेर के पुलिस अधीक्षक कल्याण एलेसेला ने बीबीसी हिंदी को बताया, "19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा सीट पर मतदान होना था। उससे ठीक पहले 15 अप्रैल को हमें बड़े नक्सली दस्ते के जमा होने की पुख़्ता जानकारी मिली। यह इलाक़ा बस्तर और कांकेर, दोनों से नज़दीक है। वहां पर बहुत बड़े कैडर और कमांडर थे, 60 से 70 की संख्या में माओवादी थे। हमने इलाके को घेरा और मुठभेड़ हुई।"

चुनाव से पहले पसरा सन्नाटा

माओवादियों ने जो बयान जारी किया है, उसमें सुरक्षाबलों पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा है, "पुलिस के हमले में 12 साथियों की गोली लगने से मौत हुई थी। बाक़ी 17 साथियों को पुलिस ने घायल अवस्था में या ज़िंदा पकड़कर निर्मम हत्या की है।"

हालांकि बस्तर संभाग के आईजी पुलिस सुंदरराज पी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा, "सहानुभूति हासिल करने के लिए माओवादी इस तरह की दावे करते रहे हैं। ये उनके प्रोपेगैंडा का तरीक़ा है।"

इस कथित मुठभेड़ में मारे जाने वालों में शंकर राव और उनकी पत्नी रीता डिविजनल कमेटी रैंक के माओवादी थे।

शंकर पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था, जबकि रीता पर दस लाख रुपये का इनाम था।

कांकेर में 26 अप्रैल को मतदान होना है। माओवादियों ने पहले से चुनाव बहिष्कार करने की अपील की हुई है। लेकिन अब चुनाव से ठीक एक दिन पहले बंद का ऐलान किया गया है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने इसे 'क़त्ल कांड' बताते हुए 25 अप्रैल को नारायणपुर, कांकेर, मोहला-मानपुर बंद को सफल बनाने की अपील की है।

ऐसे माहौल में सुरक्षा बल के जवानों की मुस्तैद नज़रें और सड़कों पर पसरा सन्नाटा, कई मायनों में डराने वाला लगता है।

माओवादियों के जिस तरह के बड़े लीडर इस घटना में मारे गए हैं, उसे देखते हुए पुलिस प्रशासन को आशंका है कि इसका बदला लेने के लिए माओवादी हमला कर सकते हैं।

नक्सल शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के छोटे से गाँव नक्सलबाड़ी से हुई है जहाँ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने 1967 मे सत्ता और सरकार के विरुद्ध एक सशस्त्र आन्दोलन शुरू किया था।

साल 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने माओवादी हिंसा को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था, इसके बाद ऑपरेशन ग्रीन हंट की शुरुआत हुई।

साल 2009 में गृह मंत्री पी। चिदबंरम ने संसद में बताया था कि देश में माओवाद प्रभावित जिलों की संख्या 223 थी। हालांकि मुख्य रूप से इनका असर देश के दस राज्यों के करीब 75 ज़िलों में माना गया है।

किस बात की है आशंका

यूपीए सरकार के दौर में माओवादियों के ख़िलाफ़ सशस्त्र अभियान शुरू हुआ, वह बीते दस सालों से एनडीए सरकार के दौरान भी जारी रहा है।

बस्तर संभाग के आईजी पी सुंदरराज कहते हैं, "बस्तर संभाग में बीते तीन साढे तीन महीने में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 79 माओवादी मारे गए हैं। काफ़ी हथियार भी बरामद हुए हैं। माओवादी अरेस्ट भी हो रहे हैं। उनके इकोसिस्टम पर असर पड़ा है।"

माओवादी हमले के पूर्ववर्ती मामलों को देखते हुए ये आशंका भी जताई जा रही है कि माओवादी अपनी ताक़त का प्रदर्शन करने के लिए भी कोई हमला कर सकते हैं।

हालांकि दूसरी ओर इस बात की आशंका भी है कि सुरक्षा बल के जवान माओवादियों के किसी दूसरे समूह को अपना निशाना बना लें।

यही वजह कि सड़कों पर फैले सन्नाटे में भी खौफ़ पसरा हुआ है। 16 अप्रैल को हुए मुठभेड़ की जगह से सबसे नज़दीक गांव है छोटे बेठिया। उस गांव का कोई व्यक्ति किसी अनहोनी की आशंका में कैमरे पर कुछ नहीं बोलना चाहता।

एक तो दिन भर की हाड़तोड़ मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पेट पालने की चिंता और ऊपर से दशकों से माओवादियों और सुरक्षाबल के बीच पिस रहे इन लोगों की ज़िंदगी में तकलीफ़ और अनिष्ट की आशंका ही स्थायी साथी बन गए हैं।

छोटे बेठिया गांव के लोगों में इस बात की राहत तो है कि इस मुठभेड़ में कोई गांव वाला नहीं मरा है, लेकिन यह राहत कब तक रहेगी, इसका कोई भरोसा उन्हें नहीं है। ना तो केंद्रीय सुरक्षा बल और ना ही राज्य सरकार, उन्हें अमन और चैन का भरोसा दिला पाई हैं।

इस इलाक़े में आम आदिवासियों की ज़िंदगी में कोई भी दिन ऐसा हो सकता है, जहां से परिवार तबाह हो सकते हैं। ये तबाही किन रूपों में आ सकती है- आप घर से बाहर निकले और क्रॉस फ़ायरिंग की चपेट में आ जाएं, सुरक्षा बल या माओवादी, किसी की भी गोली लग सकती है या फिर मुखबरी करने के आरोप में माओवादी आपको निशाना बना लें। या फिर माओवादी होने के शक़ में पुलिस मार दे।

बेगुनाह परिवारों का दर्द

यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में मानवाधिकार कार्यकर्ता आरोप लगाते हैं कि माओवाद पर अंकुश लगाने की इस लड़ाई में आम आदिवासियों की ज़िंदगी दांव पर लगी हुई है।

जब दांव पर ज़िंदगी लगी हो तो लोकतंत्र के महापर्व को लेकर भी बहुत उत्साह नहीं दिखता। लेकिन अच्छी बात यह है कि आम आदिवासी मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना जान चुके हैं।

19 अप्रैल को बस्तर में क़रीब 68 प्रतिशत लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया था। उम्मीद की जा रही है कि कांकेर में भी अच्छा मतदान होगा।

लेकिन इस लड़ाई का असर आम आदिवासियों पर कितना पड़ रहा है?

छत्तीसगढ़ के सबसे माओवाद प्रभावित इलाक़े अबूझमाड़ के इलाके की सरहद से लगा हुआ है पेवारी गाँव। कांकेर ज़िला मुख्यालय से लगभग सौ किलोमीटर दूर सुदूर जंगल के बीच बसे इस गाँव में सूरजवती हिडको का भी घर है।

बीबीसी हिंदी की टीम जब इस घर तक पहुंची तो ख़ामोशी और उदास चेहरे ही दिखे। सूरजवती अनिल हिडको की वयोवृद्ध माँ है।

आँगन के एक कोने में बैठी हुई सूरजवती हिडको अपने आंसू पोछ रही हैं। दो महीने पहले परिवार में कमाने वाला बेटा था, बहू थी और पोता और पोती। लेकिन 24 फरवरी, 2024 को इन सबकी दुनिया उजड़ गई।

मां बताती हैं कि 28 साल का बेटा अनिल हमेशा की तरह 15 किलोमीटर दूर जंगल में तेंदू पट्टों को बाँधने के लिए रस्सी का इंतज़ाम करने गया हुआ था।

सूरजवती कहती हैं, "इसके अगले दिन यानी 25 फरवरी को शाम के समय उनके गाँव के लोगों ने ख़बर दी कि उनके बेटे की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई है। ये मुठभेड़ मरदा गाँव के पास की पहाड़ी पर हुई थी। कोई नहीं बता रहा है कि क्या हुआ, मेरे बेटे को रात 11 बजे दफ़नाया गया। लाश देर से मिली हमें और बदबू की वजह से हम उसको घर में रख नहीं पाए साहब, परिवार वाले भी उसका चेहरा नहीं देख पाए।"

वहीं पास ही में गोद में बच्चे को लिए अनिल की पत्नी सूरजा हिडको का भी रो-रो कर बुरा हाल था। काफ़ी देर के बाद उन्होंने बात करनी शुरू की। उनकी चिंता थी कि वयोवृद्ध सास और ससुर के साथ साथ दो छोटे बच्चों को लेकर वो बाक़ी की ज़िन्दगी कैसे गुजारेंगी।

वो कहती हैं, "मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं। उनका पालन पोषण करने वाला कोई नहीं है। सास-ससुर के काम करने की उम्र नहीं है। घर में केवल मेरा पति कमाने वाला था। अब बताइए क्या करूं मैं। वो जंगल से रस्सी का सामान लाने गए थे। उनको मार दिया।"

फ़र्ज़ी मुठभेड़ का आरोप

25 फ़रवरी को हुई जिस मुठभेड़ में अनिल के मारे जाने की बात कही जा रही है उसके बारे में सुरक्षा बलों का दावा है कि पेवारी गाँव से 25 किलोमीटर दूर मरदा गाँव के पास के पहाड़ में मुठभेड़ हुई थी जिस दौरान तीन माओवादी छापामारों को सुरक्षा बलों ने मारा था।

मगर पेवारी गाँव के मुखिया मंगलू राम का दावा है कि अनिल उनके यहां ट्रैक्टर चलाने की नौकरी करते थे।

घटना के बाद गाँव के सभी लोगों ने कांकेर ज़िले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा है कि अनिल न तो माओवादी थे, ना ही उनका संगठन से किसी भी प्रकार का कोई संपर्क रहा है।

मंगलू राम का कहना था, "वो हमारे घर का आदमी था। गाँव का लड़का है जो मेहनत मजदूरी करने वाला था। रोज़गार गारंटी के तहत भी मजदूरी करता था। उसका कार्ड भी है। उसके अलावा उसका आधार कार्ड और पैन के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड भी है। राशन लेने भी वो ही जाता था।"

"हर महीने राशन लेने के बाद उसी के हस्ताक्षर हैं रजिस्टर पर और राशन कार्ड पर। वो तो जंगल गया था तेंदू पट्टे के लिए रस्सी बनाने का सामान इकठ्ठा करने। हमेशा जंगल जाता था। मुठभेड़ हुई बताया गया, गोली मार दी उसको। वो जंगल वाला आदमी (माओवादी) नहीं था। आम आदमी था। मेरा ट्रैक्टर भी चलाता था अनिल।"

बस्तर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज स्वीकार करते हैं कि छापामार युद्ध में इस बात की बहुत संभावना रहती है कि संघर्ष के दौरान आम आदमी भी पिस जाए।

वो ये भी दावा करते हैं कि ऐसी स्थिति में स्वतंत्र जांच करवाई जाती है और पीड़ितों के परिवारों को 'मुआवजा भी दिया' जाता है। 25 फरवरी को इन दोनों मौतों के बारे में उन्होंने कहा, "इन परिवारों की तरफ़ से शिकायतें मिली हैं, इसकी जांच कराई जा रही है।"

पी। सुंदरराज ने ऐसे मामलो के सामने आने पर कहा, "अगर माओवादियों और सुरक्षा बल के बीच मुठभेड़ होती है और अगर उसमे कोई निर्दोष ग्रामीण को नुकसान होता है तो हम उस हक़ीक़त को स्वीकार करते हैं। उसका जो मुआवजा बनता है वो उसके आश्रितों को देते हैं।"

निर्दोष ग्रामीण की मौत पर आश्रित परिवार को पांच लाख रुपये और घायल होने की सूरत में एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता है।

लेकिन अहम सवाल यही है कि क्या कोई मुआवज़ा सूरजवती या फिर सूरज की उजड़ी दुनिया में रौनक वापस ला सकता है। या फिर मरदा गाँव के ख़ासपाड़ा में सोमारी बाई नेगी के परिवार की खुशियां वापस लौटा सकता है।

यह पूरा परिवार शोक में डूबा है, उनके पुत्र रामेश्वर नेगी भी 25 फरवरी को हुई मुठभेड़ में मारे गए। उनके परिवार ने भी सरकार को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि ये फ़र्ज़ी मुठभेड़ थी।

क्यों है डर का माहौल

कांकेर में हुई मुठभेड़ 25 किलोमीटर दूर रहने वाले ग्रामीण कैलाश कुमार और पास के घरों में रहने वाले सवाल उठाते हैं कि अगर 25 फ़रवरी को मुठभेड़ हुई थी तो किसी सुरक्षा बल के जवान को कैसे कोई खरोंच भी नहीं आई?

गाँव वाले कहते हैं कि पुलिस दावा कर रही है कि एक देसी बंदूक़ भी बरामद की है मगर पूरे गाँव में किसी के पास कोई हथियार नहीं है।

कैलाश फ़रवरी महीने में हुई मुठभेड़ के बारे में कहते हैं, "अगर दोनों तरफ़ से फायरिंग हुई होती तो जिन्हें पुलिस नक्सली कह रही है वो भी पुलिस पर हमला करते। ऐसा तो कुछ हुआ ही नहीं था। तो हमारे आदमी को नक्सली कहकर मार दिए हैं।"

दंतेवाड़ा में रहने वाली मानवाधिकार कार्यकर्ता और पेशे से वकील बेला भाटिया ने बीबीसी हिंदी को बताया, "कई ऐसे मामले आए हैं जहां मुठभेड़ हुई और कई लोग मारे गए। कुछ मामलों में दो या तीन माओवादियों की शिनाख़्त हुई और कई ऐसे भी रहे हैं जिनका माओवाद से कुछ लेना देना नहीं था। बेगुनाह लोग जो क्रॉस फायरिंग में मारे जाते हैं उनके लिए आवाज़ उठाने वाला कोई नहीं है। न माओवादी न कोई और संस्था, इसलिए डर का माहौल है।" 25 फरवरी को हुई मुठभेड़ को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सवाल उठाए थे।

इस महीने की बड़ी घटना के बाद फिर सवाल उठने लगे हैं कि अगर माओवादी कमज़ोर पड़ गए हैं और पीछे हट गए हैं तो फिर इतनी बड़ी तादाद में वो किस तरह हमला करने वाले थे।

इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने मीडिया को जो जानकारी दी, उसके मुताबिक घटना स्थल से 'एलएमजी, एनसास, कार्बाइन और एके-47' जैसे हथियार भी बरामद किए गए थे।

सवाल ये भी उठ रहे हैं कि मारे गए माओवादियों के पास से इतने अत्याधुनिक हथियार कैसे बरामद हुए हैं?

इन सवालों पर पी सुंदरराज दावा करते हैं, "माओवादियों ने सुरक्षा बलों के ऊपर भी हमले किए हैं और पिछले सालों में शस्त्रागार भी लूटे हैं। इनमे से बहुत सारे हथियार वैसे भी हैं। इसके अलावा वो देसी तरीक़े से भी हथियार बनाते हैं। वे विस्फ़ोटक भी बनाते हैं। इन विस्फोटकों से सुरक्षा बलों को बहुत ज़्यादा नुकसान झेलना पड़ा है।" **– साभार, बीबीसी**

ये रिश्वत डायन खाये जात है...

कमलेश भारतीय

खबर है और बड़ी प्रमुखता से प्रकाशित कि हरियाणा के फरीदाबाद में एक ईटीओ महोदय पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते धर लिये गये। सबसे चिंतनीय बात यह कि इनकी रिटायरमेंट में सिर्फ दो दिन बच रहे थे। अब यह नहीं कह सकते कि जाते जाते पैसे इकट्ठे कर रहे थे या फिर सारी नौकरी में 'ऊपरी कमाई' ही करते रहे थे। कुछ कह नहीं सकते लेकिन इतना कह सकते हैं कि विदा होने से पहले यह कलंक का टीका क्यों लगवाया और यदि ये रिश्लत लेते पकड़े न जाते तो दो दिन बाद इनकी विदाई पार्टी में इनकी ईमानदारी के गुणगान करते सहयोगी थकते नहीं और फूलों के हार गले में डालकर इन्हें बड़े सम्मान के साथ घर तक छोड़कर आते पर बदकिस्मती देखिये, टूटी कहां कमंद जहां पानी कम था, जब सिर्फ दो दिन की नौकरी ही बची थी तब पकड़े गये! यह रिश्वत कांड भी रोज़ ही सामने आते हैं लेकिन कुछ अधिकारी यह समझते हैं कि वे तो बड़ी एहतियात से सब खेल करते हैं, वे नहीं फंसने वाले। यह वैसा ही आश्चर्य है जैसे श्मशान घाट पर दूसरों के अंतिम संस्कार में जाने वाले सोचते है कि वे तो ज़िदा रहने वाले हैं। यदि इंसान ऐसा न सोचकर यह सोचे कि मौत का एक दिन मुतमईन है, तो शायद ज़िंदगी की सच्चाई समझ कर अच्छी राह पर चले! कितने भी रिश्वत कांड सामने आयें, दूसरे अधिकारी इससे सबक नहीं लेते,वे पुलिस के बिछाये जाल में फंस ही जाते हैं और फिर पछताते हैं। तब तक चिड़िया खेत चुग चुकी होती हैं! मुझे हमेशा प्रसिद्ध कथाकार मोहन राकेश की कहानी 'आखिरी सामान' याद आती है। इसमें रिश्वत लेने के बाद रिकवरी के लिए घर का सामान नीलाम किये जाने के बाद उस अधिकारी की पत्नी सीढ़ियां उतर रही है और लेखक इशारा करता है कि यही आखिरी सामान नीलाम होने जा रहा है। असल में आखिरी सामान समाज में अधिकारी की प्रतिष्ठा या सम्मान होता है, जो नीलाम हो जाता है और अधिकारी का परिवार समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं रहता! फिर भी रिश्वत या कहिये भ्रष्टाचार ही नये समाज का शिष्टाचार बन गया है और यह रिश्वत डायन हमारे समाज को खाये जात है! हमारे समाज में जब लड़की के लिए रिश्ता ढूढ़ते हैं, तब यही चर्चा सामने आती है कि लड़का सरकारी नौकरी करता हो और मासिक वेतन चाहे कम हो लेकिन पोस्ट ऐसी हो, जिससे 'ऊपरी कमाई' खूब होती हो। इस तरह समाज इस रिश्वतखोरी को स्वीकार कर चुका है और यह बहुत बड़ा दुखांत है!

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

9416047075

लघुकथा/कमलेश भारतीय

कमलेश भारतीय

ऐसे थे तुम

बरसों बीत गये इस बात को। जैसे कभी सपना आया हो। अब ऐसा लगता था। बरसों पहले कॉलेज में दूर पहाड़ों से एक लड़की पढ़ने आई थी। उससे हुआ परिचय धीरे धीरे उस बिंदु पर पहुंच गया जिसे सभी प्रेम कहते हैं।

फिर वही होने लगा। लड़की कॉलेज न आती तो लड़का उदास हो जाता और लड़का न आता तो लड़की के लिए कॉलेज में कुछ न होता। दोनों इकट्ठे होते तो जैसे कहीं संगीत गूंजने लगता, पक्षी चहचहाने लगते।

फिर वही हुआ जो अक्सर प्रेम कथाओं का अंत होता है। पढ़ाई के दौरान लड़की की सगाई कर दी गयी। साल बीतते न बीतते लड़की अपनी शादी का कॉर्ड देकर उसमें आने का न्यौता देकर विदा हो गयी।

लड़का शादी में गया। पहाड़ी झरने के किनारे बैठ कर खूब खूब रोया पर ,,,झरने की तरह समय बहने लगा ,,,बहता रहा। इस तरह बरसों बीत गये ,,इस बीच लड़के ने आम लड़कों की तरह नौकरी ढूंढी, शादी की और उसके जीवन में बच्चे भी आए। कभी कभी उसे वह प्रेम कथा याद आती। आंखें नम होतीं पर वह गृहस्थी में रम जाता और कुछ भूलने की कोशिश करता।

आज पहाड़ में घूमने का अवसर आया। बस में कदम रखते ही उसे याद आया कि बरसों पहले की प्रेम वाली नायिका का शहर भी आयेगा। उत्सुक हुआ वह कि वह शहर आने पर उसे कैसा कैसा लगेगा? आकुल व्याकुल था पर,,,कब उसका शहर निकल गया,,, बिना हलचल किए, बिना किसी विशेष याद के ,,,क्योंकि वह सीट से पीठ टिकाये चुपचाप सो गया था ,,,जब तक जागा तब तक उसका शहर बहुत पीछे छूट चुका था।

वह मुस्कुराया। मन ही मन कहा कि सत्रह बरस पहले एक युवक आया था, अब एक गृहस्थी। जिसकी पीठ पर पत्नी और गुलाब से बच्चे महक रहे थे। उसे किसी की फिजूल सी यादों और भावुक से परिचय से क्या लेना देना था?

इस तरह बहुत पीछे छूटते रहते हैं शहर, प्यारे प्यारे लोग, ,उनकी मीठी मीठी बातें,,,,आती रहती हैं ,,,धुंधली धुंधली सी यादें और अंत में एक जोरदार हंसी -अच्छा। ऐसे थे तुम। अच्छा ऐसे भी हुआ था तुम्हारे जीवन में कभी?

9416047075

महिला छात्रावास, खेल विभाग में सुधार और बीसीए पाठ्यक्रम में विस्तार प्राथमिकतायें : प्रो दीप्ति धर्माणी

कमलेश भारतीय

महिला छात्रावास बनवाना, खेल विभाग के लिए संसाधन जुटाना और उद्योग क्षेत्र के सहयोग से चल रहे बीसीए पाठयक्रम की तरह रोजगारपरक पाठयक्रमों को त्वरित लागू करना मेरी तात्कालिक प्राथमिकतायें हैं। यह कहना है भिवानी के चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी का।

वे मेरे लिए अपरिचित नहीं, बल्कि तब से परिचय है, जब मैं हरियाणा में 'दैनिक ट्रिब्यून' का हिसार में रिपोर्टर बन कर आया, क्योकि इनके पति श्री भूपेंद्र धर्माणी भी सिरसा से 'दैनिक ट्रिब्यून' के रिपोर्टर थे। इस तरह इनसे सिरसा में ही अनेक बार मिलने के अवसर बने और इनके आतिथ्य का अवसर भी मिला। बाद में श्री धर्माणी सूचना के अधिकार आयोग में कमिश्नर के गरिमापूर्ण पद पर रहे।

-आपका जन्म कहां हुआ यानी मूलतः आप कहां से संबंध रखती हैं?

-मैं हरियाणावासी हूँ और मेरा जन्म हिमाचल के कांगड़ा के नगरोटा बगवां में हुआ।

-आपकी पढ़ाई लिखाई कहां-कहां से हुई?

-आठवीं तक दिल्ली में, मैट्रिक हिसार के सीनियर मॉडल स्कूल से, फिर गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से एम. ए. अंग्रेज़ी तक हिसार में ही शिक्षा प्राप्त की। एम. फिल. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. सुरेन्द्र सिंह सांगवान के निर्देशन में की। अंग्रेज़ी में पीएचडी कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्रो. एस. डी. शर्मा के निर्देशन में की।

-दिल्ली से हिसार कैसे?

-मेरे पिता श्री बृजमोहन इस्सर सिंचाई विभाग में सर्कल ड्राफ्डट्समैन थे और हम मॉडल टाउन में रहते थे।

-पहली नौकरी कहां और फिर कहां से कहां?

-पहली नौकरी अंग्रेज़ी प्राध्यापिका के रूप में आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी में। फिर सिरसा के सी. एम. के. नेशनल गर्ल्ज कॉलेज में 22 वर्ष तक अध्यापन किया। इसके बाद चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में सन् 2007 से सन् 2022 तक अंग्रेजी विभाग में कार्यरत रहते हुए अनेक प्रशासकीय दायित्व निभायें, जिसमें युवा कल्याण विभाग के निदेशक तथा अधिष्ठाता अकादमिक मामले मुख्य हैं। अब भिवानी के चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय में कुलपति के पद कार्यरत हूं। मैं सिरसा के सी. एम. के. नेशनल कॉलेज की प्रबंधन समिति व चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के सभी कुलपतियों की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे प्रशासनिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया।

-कॉलेज में आपकी क्या-क्या गतिविधियाँ रहीं?

-मैं पढ़ने के साथ-साथ गायन की प्रतियोगिताओं में भाग लेती थी।

-आपको कौन से सम्मान मिले?

-हिसार में गवर्नमेंट कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करते समय विश्वविद्यालय मेरिट के आधार पर बी. ए. में छात्रवृत्ति। कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर कलर अर्थात् मैडल प्राप्त किया।

-परिवार के बारे में बताइये।

-पति श्री भूपेंद्र धर्माणी, जो प्रतिष्ठित पत्रकार और बाद में हरियाणा के सूचना का अधिकार आयोग में कमिश्नर रहे। एक बेटा प्रणव जो विवाहित है और रोहतक के आई. आई. एम. में एस्सिसटेंट प्रोफेसर हैं और पुत्रवधु मधुरिमा भी इसी संस्थान में एस्सिसटेंट प्रोफेसर हैं।

-कुलपति के रूप में आपकी प्राथमिकतायें?

-दस साल से बने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एक भी छात्रावास नहीं तो कम से कम एक छात्रावास तुरंत बनवाने का लक्ष्य। इसी प्रकार भिवानी में खेलों के प्रति बहुत उत्साह है जिसके चलते विश्वविद्यालय बनाने का एक उद्देश्य खेल संसाधन तथा पाठयक्रम बनाना भी एक प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त परीक्षा प्रणाली में सुधार तथा नयी शिक्षा नीति के तहत रोजगारपरक डिग्री, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा पाठयक्रमों को चलाना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

हमारी शुभकामनाएं प्रो. दीप्ति धर्माणी को।

कामयाबी के लिए चाणक्य की ये 5 बातें रखें ध्यान, नहीं होगी धन की कमी!

अगर आप अपने जीवन में कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आप आसानी से कुछ उपायों को करके जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर कोई सुखी जीवन व्यतीत करना चाहता हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि सुख-समृद्धि, धन और वैभव की देवी की माता लक्ष्मी की कृपा आप बनी रहे तो आचार्य चाणक्य की इन 5 बातों को अवश्य जान लें। इससे आपके जीवन में काफी बदलाव आ सकता है। इसके साथ ही आपकी सभी परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगेंगी और धन की कमी से भी छुटकारा मिल जाएगा।

आपकी सफलता के लिए यहां पर आचार्य चाणक्य के उन 5 श्लोकों का जिक्र कर रहे हैं जिससे आप अपने जीवन में आसानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने कुछ कार्यों में बदलाव करना होगा।

ऐसे लोगों को होता है अच्छा ज्ञान

अधीत्येदं यथाशास्त्रं नरो जानाति सत्तमः । धर्मोपदेशं विख्यातं कार्याऽकार्य शुभाऽशुभम् ।।

चाणक्य नीति के इस श्लोक का अर्थ है कि जो व्यक्ति शास्त्रों के नियमों का निरंतर अभ्यास करके शिक्षा प्राप्त करता है। उसे सही, गलत और शुभ कार्यों का अच्छे से ज्ञान प्राप्त हो जाता है। ऐसे व्यक्ति के पास सर्वोत्तम ज्ञान होता है। यानि ऐसे लोग जीवन में अपार सफलता प्राप्त करते हैं और आसानी से बड़े से बड़े कष्टों का सामना कर लेते हैं।

ऐसे लोगों से रहें दूर

प्दुष्टाभार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः । ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव नः संशयः ।।

चाणक्य नीति के इस श्लोक मतलब है कि दुष्ट पत्नी, झूठा मित्र, आलसी सेवक और दुश्मनों से हमेशा दूर रहना चाहिए। ये ठीक वैसा ही है, जैसे मृत्यु का गले लगाना। यानि ऐसे लोग अपने मतलब के लिए साथ रहते हैं। जरूरत पड़ने पर साथ छोड़ देते हैं।

धन की करें बचत

आपदर्थे धनं रक्षेद्दारान् रक्षेध्दनैरपि । नआत्मानं सततं रक्षेद्दारैरपि धनैरपि ।।

किसी व्यक्ति को आने वाली मुसीबतों से बचने के लिए पैसों की बचत करनी चाहिए। उसे धन-सम्पदा त्यागकर भी पत्नी की सुरक्षा करनी चाहिए। लेकिन बात यदि आत्मा की सुरक्षा की आ जाए तो उसे धन और पत्नी दोनों को तुक्ष्य समझना चाहिए

ऐसे स्थान पर न रहें

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवः । न च विद्यागमऽप्यस्ति वासस्तत्र न कारयेत् ।।

ऐसे लोगों को उस देश में बिल्कुल भी नहीं रहना चाहिए जहां उसका सम्मान न हो। जहां रोजगार के साधन न हों। वहां पर भी मनुष्य का नहीं रहना चाहिए। जहां आपका कोई मित्र न हो। उस स्थान को भी छोड़ देना चाहिए और जहां पर ज्ञान न हो। उस दिशा में अपने कदम आगे बढ़ा लेने चाहिए।

अक्षय तृतीया से लेकर सीता नवमी तक, वैशाख माह में आएंगे ये व्रत- त्यौहार, देखें पूरी लिस्ट

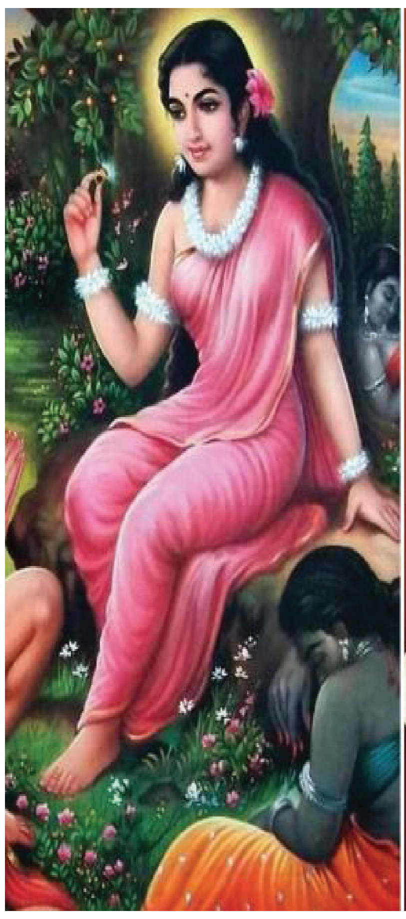

वैशाख माह हिंदू नववर्ष का दूसरा महीना होता है। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा-उपासना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में भगवान बुद्ध और भगवान परशुराम का जन्म भी हुआ था। इस माह में पुण्य और धन प्राप्ति के कई अवसर आते हैं। साथ ही इस माह में सीता जयंती भी पड़ती है। धार्मिक दृष्टि से यह माह बेहद खास होता है। इस महीने को माधव मास भी कहा जाता है। वैशाख माह में भगवान कृष्ण के माधव रूप की पूजा की जाती है। स्नान-दान, मांगलिक और शुभ कार्यों के लिए वैशाख माह बेहद शुभ माना जाता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह में कई खास महत्वपूर्ण त्योहार और व्रत आते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख त्योहार हैं- अक्षय तृतीया, वरुथिनी एकादशी, सीता नवमी और भगवान नृसिंह जयंती आदि। आइए जानते हैं वैशाख माह में कब कौन सा त्योहार-व्रत पड़ रहा है।

शुरू हो गया वैशाख माह 2024

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 24 अप्रैल को सुबह 5 बजकर 18 से मिनट से शुरू हो गई और इस तिथि का समापन 25 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर होगा। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि का सूर्योदय 24 अप्रैल बुधवार को हुआ था। इस दिन से ही वैशाख माह की शुरुआत हो चुकी और इस माह का समापन 23 मई को होगा।

वैशाख माह के व्रत-त्योहार 2024

24 अप्रैल 2024 (बुधवार) – वैशाख शुरू

27 अप्रैल 2024 (शनिवार) – विकट संकष्टी चतुर्थी

2 मई 2024 (गुरुवार) – पंचक शुरू

4 मई 2024 (शनिवार) – वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती

5 मई 2024 (रविवार) – प्रदोष व्रत (कृष्ण)

6 मई 2024 (सोमवार)- मासिक शिवरात्रि

8 मई 2024 (मंगलवार) – वैशाख अमावस्या, टैगोर जयंती

10 मई 2024 (बुधवार) – अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती

11 मई 2024 (गुरुवार) – विनायक चतुर्थी

12 मई 2024 (शुक्रवार) – शंकराचार्य जयंती, रामानुज जयंती

14 मई 2024 (मंगलवार) – वृष संक्रांति, गंगा सप्तमी

15 मई 2024 (बुधवार) – बगलामुखी जयंती

17 मई 2024 (शुक्रवार) – सीता नवमी

19 मई 2024 (रविवार) – मोहिनी एकादशी

20 मई 2024 (सोमवार) – प्रदोष व्रत (शुक्ल)

22 मई 2024 (बुधवार) – नरसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती

23 मई 2024 (गुरुवार)- वैशाख पूर्णिमा व्रत, बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख माह का महत्व

वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा करने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख माह में ही भगवान विष्णु ने परशुराम अवतार लिया था। मान्यता है कि भगवान परशुराम की पूजा करने से सभी संकट दूर हो जाते हैं और शत्रुओं पर भी विजय प्राप्त होती है। इसके अलावा वैशाख माह में गंगा स्नान और दान का भी महत्व माना जाता है। वैशाख में गंगा स्नान करने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

कालाष्टमी के दिन न करें ये काम, वरना नाराज हो जाते हैं काल भैरव!

प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है। मान्यताओं के अनुसार कालाष्टमी को भैरवाष्टमी भी कहा जाता है, क्योंकि यह काल भैरव, जिनको भैरवनाथ भी कहा जाता है, को समर्पित है। काल भैरव को भगवान शिव का उग्र स्वरूप माना जाता है, इसलिए इस दिन भगवान शिव और उनके स्वरूप काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उनकी विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

मान्यता है कि कालाष्टमी के दिन भगवान शिव के साथ साथ उनके स्वरूप काल भैरव की विधि पूर्वक पूजा अर्चना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में चल रहीं सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। कालाष्टमी को लेकर ये भी मान्यता है कि कालाष्टमी के दिन कुछ गलतियां करने से काल भैरव नाराज हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि वें कौन से कार्य हैं जिनको कालाष्टमी के दिन नहीं करना चाहिए।

कालाष्टमी के दिन भूलकर भी न करें ये कार्य

कालाष्टमी के दिन घर में अच्छा माहौल बनाकर रखें, इस दिन लड़ाई झगड़ा या व्यर्थ के वाद विवाद से बचें।

कालाष्टमी के दिन झूठ नहीं बोलना चाहिए। झूठ बोलने से व्यक्ति अपना ही नुकसान करता है और अपने लिए भविष्य में मुश्किलें खड़ी करता है।

कालाष्टमी के दिन शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

हमेशा सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्ण रहना चाहिए और किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए, लेकिन खास कालाष्टमी के दिन सभी जीवों के साथ प्यार से रहना चाहिए और जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए।

कालाष्टमी के दिन किसी का भी अपमान नहीं करना चाहिए। खासकर बुजुर्गों को विशेष आदर देना चाहिए।

माना जाता है कि कालाष्टमी के दिन किसी भी तरह की नुकीली चीजों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला दंडाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

प्रचण्ड समय . शिमला

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 4 से 8 मई, 2024 तक शिमला आ रही हैं और इस प्रस्तावित दौरे के दौरान वह शिमला स्थित राष्ट्रपति निवास दी रिट्रीट में रुकेंगी। यह जानकारी आज यहाँ जिला दंडाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 4 मई को दिल्ली से शिमला पहुंचेगी और अपने आधिकारिक निवास स्थान दी रिट्रीट में रुकेंगी। 5 मई को राष्ट्रपति कैचमेंट एरिया का दौरा करेगी। उन्होंने बताया कि 6 मई को वह जिला कांगड़ा के दौरे पर रहेंगी और सांय शिमला वापिस आएगी। 7 मई को राष्ट्रपति संकट मोचन मंदिर और तारा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करेगी तथा सांय माल रोड पर भ्रमण करेगी। इसके पश्चात् वह ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेंगी और उसके बाद राजभवन में रात्रि भोज का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 8 मई को प्रातः शिमला से वापिस दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

जिला दण्डाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को हवाई अड्डा से दी रिट्रीट तक तथा संकट मोचन मंदिर व तारा देवी मंदिर के लिए जाने वाले मार्गों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने इन मार्गों पर बिजली की तारों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम शिमला, साडा और वन विभाग को दी रिट्रीट और आसपास के क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने एसजेपीएनएल को दी रिट्रीट के लिए पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्रतिदिन जल भण्डारण स्त्रोत के टीडीएस मात्रा की जांच करने के भी निर्देश दिए। अनुपम कश्यप ने अग्निशमन विभाग को दी रिट्रीट और अन्य स्थानों का फायर ऑडिट करने तथा शिमला के अतिरिक्त ठियोग में अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम तैयार रखने के निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से समय रहते निपटा जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को भी अपने पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे के दौरान शहर में भारी वाहनों की आवाजाही को बंद रखने के भी निर्देश दिए ताकि यातायात बाधित होने की कोई संभावना न रहे।

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बताया कि राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर शिमला में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस जवानों की विभिन्न स्थानों पर तैनाती की जाएगी। इसके अतिरिक्त शिमला के विभिन्न स्थानों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से भी निगरानी की जाएगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे के दौरान दी रिट्रीट आम जनता व पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, आयुक्त नगर निगम शिमला भूपेन्द्र अत्री, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिमला नवदीप, उपमण्डल दण्डाधिकारी शिमला ग्रामीण कविता ठाकुर, उपमण्डल दण्डाधिकारी शिमला शहरी भानु गुप्ता, सहायक आयुक्त गोपाल चंद शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा स्कूल बोर्ड ने आंतरिक मूल्यांकन को व्यापक बनाकर अंक प्रणाली में जोड़ा

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा प्रणाली में आंतरिक मूल्यांकन के अंको को तो शामिल कर लिया लेकिन आंतरिक मूल्यांकन में कई पहलू जोड़ते हुए इसे व्यापक बना दिया। बोर्ड ने आंतरिक अंकों को जोड़कर 33 प्रतिशत अंक लाने वाले को पास करने का फार्मूला अपनाकर परीक्षार्थियों की राह आसान तो की है लेकिन आंतरिक मूल्यांकन में अब कई पहलू शामिल किए गर है।

अब विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन में अच्छे अंक लेने के लिए न केवल प्रोजेक्ट बनाने होंगे बल्कि क्लास रूम गतिविधियों में भाग लेने के साथ अधिक से अधिक कक्षा में हाजिरी भी अनिवार्य होगी। इसके अलावा छह माही परीक्षा और टेस्ट के अंक भी जुड़ेंगे। अब विद्यार्थियों की क्षमता मापन पर फोकस रखते हुए प्रतिस्पर्धात्मक प्रश्न ज्यादा पूछे जाएंगे। प्रश्न पत्र में इनकी संख्या 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने की योजना है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड विशेषज्ञों की राय और सुझावों के बाद नौंवी से 12वीं तक प्रश्न पत्रों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। आंतरिक मूल्यांकन को जैसे बोर्ड ने नए पास फार्मूला में जरूरी बनाया है, वैसे ही अब इसके प्रारूप में भी बदलाव किया जा रहा है। पहले स्कूल संचालक और शिक्षक विद्यार्थियों को मनमाफिक अच्छे अंक बिना मेहनत के दे देते थे। अब विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों में से भी अच्छे अंक लाने के लिए मेहनत करनी होगी। इसके अलावा 10वीं, 12वीं में साइंस विषयों की प्रेक्टिकल के अलग से 20 अंक करने की बजाए थ्योरी परीक्षा ही 80 अंक की करने पर विचार चल रहा है। आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों के लिए दो टेस्ट लिए जाएंगे, जिनके चार अंक होंगे। कक्षा में उपस्थिति के भी पांच अंक हैं। यदि विद्यार्थी 95 से 100 प्रतिशत के बीच कक्षा में उपस्थित रहा है तो पांच अंक मिलेंगे। वहीं 90 से 95 प्रतिशत उपस्थिति पर चार अंक। 80 प्रतिशत से कम उपस्थिति पर कोई अंक नहीं मिलेगा। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षाओं के लिए पाठ्य योजना तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड की है। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि किस महीने शिक्षक को कौन सा विषय पढ़ाना है। कैसे पढ़ाना है। जिससे शिक्षकों को काफी मदद मिलेगी। बोर्ड इस बार बड़ा बदलाव करते हुए प्रतिस्पर्धात्मक प्रश्नों पर फोकस करेगा। पहले 30 प्रतिशत तक प्रतिस्पर्धात्मक प्रश्न पूछे जाते थे। इस बार इनकी संख्या 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की तैयारी है। बोर्ड ने प्रश्न पत्र बैंक भी बनाया है। इसमें 10वीं व 12वीं के तीन से चार माडल प्रश्न पत्र डाले जाएंगे। जो विद्यार्थियों के लिए काफी मददगार साबित होंगे।

चुनाव 2024, डिजिटल दौर में बदल गये तरीके प्रचार के

डा कृष्ण कुमार रत्तू

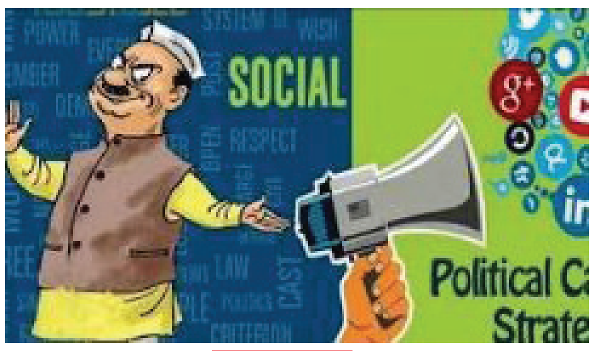

पूरी दुनिया में आज डिजिटल मीडिया का प्रयोग जिस तरह प्रचार प्रसार के लिए इस बदलते हुए उपभोक्ता युग में हो रहा है वह हर पल उपभोक्ता और आम आदमी को चौंका रहा है ।

अब आपको पता ही नहीं चलता कि किस तरह के भ्रामक प्रचार प्रसार में विज्ञापन आपको आकर्षित कर सकते हैं । यह चुनाव भी इसे अछूता नहीं है । पिछले एक दशक से जिस तरह से अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों में अर्थात पश्चिमी देशों में चुनाव का प्रचार प्रसार का सारे का सारा दारोमदार अब टेलीविजन बहस पर फोकस कर गया है परंतु पिछले 5 वर्ष के चुनाव का मूल्यांकन यदि देखा जाए तो आप देख सकते हैं कि सारे का सारा दारोमदार इन दिनों तेज़ संप्रेषित त्वरित गति से कवरेज करने वाले मीडिया अर्थात डिजिटल मोड पर हर चीज आ गई है ।

भारत में हो रहे चुनाव 2024 में इस लहर को और भी सशक्त ढंग से दर्शकों के सामने अर्थात वोटरों को लाभ होने के लिए आगे तैयारी की है ।

इन दिनों यह सच है कि इस बार भारत के इस चुनाव में जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अर्थात डेमोक्रेटिक देश का चुनाव हो रहा है उसमें सभी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने मीडिया वॉल्यूम डिजिटल पर फोकस किया है।

इसीलिए इस तरह होने वाले चुनाव मीटिंगज से तथा बड़ी रैलियां का प्रतिशत 60% कम हो गया है । मौसम की स्थिति और लोगों का रुझान अब रैलियाओ में जाने का नहीं है ।

सिर्फ उन इलाकों में कुछ एक जगह पर चुनाव रैलियां हो रही है यहां पर अभी यह संसाधन उतने पुख्ता नहीं है । सोशल मीडिया की प्रचार सामग्री की पहुंच वहां तक नहीं है वैसे तो जिस तरह लगभग 90 करोड लोगों तक टेलीविजन से लेकर यूट्यूब अर्थात डिजिटल पहुंच आपके मोबाइल फोन से सबके सामने है उसे प्रचार प्रसार इस बार सारे का सारा फोकस डिजिटल मोड में रहा है। इन दिनों इस डिजिटल दौर में प्रचार सामग्री जो परंपरागत प्रचार सामग्री होती थी उसे जिसमें धार्मिक झंडे और कट आउट पूरे देश में बेचकर काम चलाया जाता था ।

इस बार सर्वेक्षण में पता चला है की सारी की सारी प्रचार सामग्री छोटे झंडा तथा झंडियन सिर्फ सारी बोरियों में बंद होकर रह गई है । इन दिनों अगली पीढ़ी के लिए अब यह प्रचार प्रसार सिर्फ ओटीटी अर्थात सोशल मीडिया पर रह गया है ।

लोकसभा के इस चुनाव में प्रचार प्रसार का यह फीकापन व्यापार के लिए भी अजीब तरह का रोल अदा कर रहा है एक सर्वेक्षण में समाचार पत्रों की रिपोर्ट बता रही है कि अब वह विभिन्न पार्टियों के धार्मिक झंडे से लेकर भगवान के कट ऑफ बेचने शुरू कर दिए हैं ।

यही नहीं है यहां पर पांच फ़ीसदी माल ही ट्रेडिशनल झंडे इतिआदी लिखे हैं और यह चुनाव चुनाव का बदला हुआ रूप है लेकिन चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के लिए सोशल मीडिया पर धूम मचाई हुई है । सोशल मीडिया के देश में पहुंच के कारण सारे का सारा दारोमदार अब सिर्फ उस सोशल मीडिया पर हो गया है इससे प्रचार चलता है और सभी राजनीतिक पार्टियों ने तथा वोटरों तक पहुंच करने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी अपने विश्लेषण में सोशल मीडिया पर ही पूरी टेक है ।

विज्ञापन शो पहले प्रिंट मीडिया में आता था । इस का प्रतिशत शायद इतना पहले होता था । अब राजनीतिक पार्टियों कि मैं भाजपा तथा कांग्रेस से लेकर दक्षिण की कुछ पार्टीज है । प्रमुख रूप से पिरंट मीडिया को भी इसका ध्यान रखे तो सबसे बड़ी बात है कि सोच बदल गयी है और अब एडिशनल पुरानी प्रचार सामग्री को बिल्कुल ही गायब कर दिया है तथा इस तरह के व्यापारी तथा इस काम में लगी हुई कंपनियां दूसरा काम कर रही है।

इसके बारे में भारत सरकार ने जो एडवाइजरी तथा जो संचार प्रसार की नीति जारी की है , उसका एक हिस्सा आपको इसलिए जहां पर दिया जा रहा था कि आप देख सकते हैं कि भारत में लगभग 100 करोड़ वोटरों को लुभाने के लिए तथा वोटरों तक राजनीतिक पार्टी का संदेश जाने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग ने भी कई उपाय किए हैं और भारत सरकार की नीति को इन शब्दों में भारत सरकार द्वारा प्रचारित प्रसारित किया गया है आप भी देखें भारत सरकार के इस रिपोर्ट को।

निर्वाचन आयोग चुनाव के दौरान राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रचार के लिए डिजिटल टाइम वाउचर जारी करेगा दूरदर्शन तथा आकाशवाणी पर प्रचार प्रसार के लिए समय निर्धारित करना।

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को आकाशवाणी और दूरदर्शन पर समय का आवंटन अब ऑनलाइन होगा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी स्वामित्व वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उपयोग की मौजूदा योजना में संशोधन किया है।

यह सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल टाइम वाउचर जारी करने का प्रावधान शुरू करके किया गया है। इस सुविधा के साथ, राजनीतिक दलों को चुनाव के दौरान टाइम वाउचर लेने के लिए अपने प्रतिनिधियों को ईसीआई/सीईओ कार्यालयों में भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम चुनावी प्रक्रिया की बेहतरी और सभी हितधारकों की सहजता के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति का लाभ उठाते हुए निर्वाचन आयोग राजनीतिक दलों के साथ इंटरफेस के लिए आईटी आधारित विकल्प प्रदान कर रहा है। हाल ही में, आयोग ने चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दलों द्वारा वित्तीय खातों को ऑनलाइन दाखिल करने के लिए एक वेब पोर्टल की सुविधा भी दी जा रही है।

पृष्ठभूमिः

यह योजना, जिसे शुरुआत में 16 जनवरी 1998 को अधिसूचित किया गया था, आर.पी. अधिनियम, 1951 की धारा 39ए के तहत वैधानिक आधार रखती है। इसे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किया गया था और इसका उद्देश्य चुनाव प्रचार के लिए सरकार के स्वामित्व वाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

इस योजना के तहत, प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी और संबंधित राज्य की मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर समान रूप से एक समान आधार समय आवंटित किया जाता है और पार्टियों को आवंटित किया जाने वाला अतिरिक्त समय उनके संबंधित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पिछले विधानसभा चुनावों में या लोकसभा के पिछले आम चुनावों (जो भी लागू होता हो) में चुनाव प्रदर्शन के आधार पर तय किया जाता है। वास्तविक तिथि और समय जिसके दौरान किसी भी पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा उपरोक्त प्रसारण किया जाएगा, वह ईसीआई के परामर्श से और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रसार भारती निगम द्वारा पूर्व निर्धारित किया जाता है।

पात्र राजनीतिक दलों को समय वाउचर जारी होने और वितरण के लिए एक आईटी-आधारित मंच की शुरूआत एक अधिक कुशल और सुव्यवस्थित प्रक्रिया प्रदान करती है, जिससे राजनीतिक दलों के लिए पहुंच और उपयोग में आसानी बढ़ती है। इस सूचना का संदर्भ स्त्रोत नीचे लिंक में है आदेश का लिंकः https://eci.gov.in/files/file/15138 इस तरह आप देख सकते हैं कि इस समय का यह चुनाव बिल्कुल परंपरागत प्रचार प्रचार सामग्री से हटकर अब पूरे का पूरा सोशल मीडिया तथा नई तकनीक पर पहुंच गया है जो अपने आप में नई पीढ़ी को तथा नए वोटरों को प्रभावित करता है और यही समय की आवश्यकता है।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ..

सिरसा से लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू क्या?

कमलेश भारतीय, हिसार . क्या सुश्री सैलजा ने कांग्रेस हाईकमान की हरियाणा की टिकटों की घोषणा हुए बिना, सिरसा से लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है? यदि पिछले तीन दिन के हिसार के पैतृक आवास में इनकी कार्यकर्ताओं के साथ वन टू वन मीटिंग देखी जाये तो इससे यही संकेत मिलते हैं । पिछले तीन दिन से वे सामाजिक तौर पर भी पहले से ज्यादा सक्रिय हो गयी हैं । उनके आवास पर न केवल हिसार, बल्कि फतेहाबाद, सिरसा के भी कार्यकर्ता फूलों के गुलदस्ते लिए मिलने और शुभकामनाएँ देने के साथ साथ चुनाव में हरसंभव सहयोग देने का विश्वास दिला रहे हैं। ऐसे लगता है कि जैसे रोहतक में दीपेंद्र सिंह हुड्डा बिना हाईकमान की घोषणा के ही चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं, वैसे ही सुश्री सैलजा भी पाजिटिव संकेत मान कर लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी हैं । इस अवसर पर हरपाल बूरा, भूपेंद्र गंगवा, हरे कृष्ण, लाल बहादुर कोवाल और जगन्नाथ आदि समेत दूर दराज गांवों से आये कार्यकर्ता मौजूद थे ।

यदि कांग्रेस हाईकमान सचमुच सुश्री सैलजा को सिरसा से टिकट देती है तो यह बहुत रोचक मुकाबला बन जायेगा। उल्लेखनीय है कि सिरसा से भाजपा ने छह साल तक हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे व पूर्व सांसद अशोक तंवर को प्रत्याशी बनाया है। दूसरी ओर सुश्री सैलजा भी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष रही हैं और उनकी राजनीति का सफर सिरसा से ही शुरू हुआ था और वे भी यहां से पूर्व सांसद हैं और वे सिरसा के कार्यकर्ताओं से खूब परिचित हैं और जनवरी में निकाली यात्रा में उनका सिरसा लोकसभा क्षेत्र में जोरदार स्वागत् हुआ था। इस तरह प्रदेश कांग्रेस के दो पूर्व अध्यक्षों के बीच सिरसा में रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं : बिंदल

शिमला . भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा की कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार, शहजादे के पिता जी के भी सलाहकार सैम पित्रोदा ने कुछ समय पहले कहा था कि हमारे देश का जो मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी।

उन्होंने कहा की आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। कांग्रेस का मंत्र है आपसे छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेगी, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो इन हेरिटेंट का टैक्स बोझ लाद देगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें। हमारा देश संस्कारों से, संस्कृति से उपभोक्तावादी देश नहीं है। हम संरक्षित, संवर्द्धन करने में विश्वास करते हैं, संरक्षित करने में विश्वास करते हैं।

उन्होंने कहा की हमारे यहां घर में बूढ़े मां-बाप होंगे, दादा-दादी होंगे तो सोना संभाल कर रखेंगी, खुद भी नहीं पहनेगी, वो सोचती है कि मेरी पोती की शादी होगी तो उसे देगी, नाती की शादी होगी कि उसे देगी। ये हमारे देश के लोगों का स्वभाव है। वो गर्व करके जिंदगी जीने में यकीन करते हैं।

भारत के मूलभूत स्वभाव पर ये कांग्रेस पार्टी कड़ा प्रहार करने जा रही है।

आज अर्बन नक्सल ने कांग्रेस ने कब्जा कर लिया है, उन्हें लगा कि कुछ अमेरिका को भी खुश करने के लिए भी कहना चाहिए, लेकिन वो आपकी संपत्ति को लूटना चाहते हैं। आपके बच्चों का हक आज ही लूट लेना चाहते हैं। जितने साल देश में कांग्रेस की सरकार रही, आपके हक का पैसा लूटा जाता रहा। लेकिन, भाजपा सरकार आने के बाद आप लोगों के हक का पैसा, आप लोगों पर खर्च हो रहा है।

जसूर के स्थानीय दुकानदारों व स्थानीय स्थाई निवासीओं अध्यक्ष अकिल बक्शी के नेतृत्व में सरकार को ज्ञापन दिया गया

बेबाक शर्मा रघुनाथ . जसूर

प्रमुख ब्यवसायिक कस्बा जसूर के स्थानीय दुकानदारों व स्थानीय स्थाई निवासीओं ने रणजीत बक्शी जनकल्याण सभा के अध्यक्ष अकिल बक्शी के नेतृत्व में जसूर बाजार में ग्रोवर कंस्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा किये जा रहे बेतरतीव ढंग से निर्माण कार्य से उड़ रही धूल मिट्टी से फैल रहे प्रदूषण से उपमण्डल अधिकारी एसडीएम नूरपुर के माध्यम से सरकार के ज्ञापन दिया गया। पिछले दो साल से फोरलेन निर्माण कार्य मे लगी कंपनी द्वारा ढीली गति से किए जा रहे कार्य से हो रहे प्रदूषित बातावरण से स्थानीय ब्यवसाइ व निवासी अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी परेशानी झेल रहे है।

काबिले जिक्र हो कि NHAI ने आई.आर.बी. कंस्ट्रक्शन कम्पनी को निर्माण कार्य का ठेका दिया गया है, परंतु उक्त निर्माण कम्पनी किसी पठानकोट की एक लोकल ग्रोवर कंस्ट्रक्शन कंपनी से ये सारा निर्माण कार्य करवा रही है परन्तु फोरलेन निर्माण कार्य की गति कछुए की चाल से भी धीमी चल रही है।

ज्ञापन देने जाते हुए स्थानीय निवासी व दुकानदार

बेतरतीब ढंग किए जा रहे निर्माण कार्य को लेकर बार बार NHAI व उपमण्डल प्रशाशन को अखवारों के माध्यम से व टेलीफोनिकॉली से चेताने के बावजूद ना NHAI और ना ही उपमण्डल प्रशाशन के कानों पर जूं तक रेंगी। इस निर्माण कार्य में कोई सेफ्टी गाइड लाइन का ध्यान नहीं रखा जा रहा है और जो कार्यरत ठेकेदार हैं वो अपनी मर्जी से यहां उनका दिल करता है वहीं खड्डे किए जा रहे हैं। जिसके कारण पिछले दो सालों में 42 एक्सीडेंट सिर्फ तीन जगहों पर हुए हैं जिसमें जसूर से लेकर बौड, भडवार से नागनी तथा नागाबाडी से राजा का बाग तक ब्लैक स्पॉट है।

अकिल बक्शी ने उपमण्डल अधिकारी से आग्रह किया कि
जिन लोगों की इस बेतरतीब ढंग से किये जा रहे कार्य के कारण दुर्घटना हुई या मृत्यु हो गई है उन्हें मुआवजा मिले और उनके किसी घर के मेम्बर को नौकरी दी जाए। बक्शी ने कहा कि एसडीएम नूरपुर हमारे साथ एनएचआईए के साथ बैठक करवाए और यहां पर मनमानी ढंग से कार्य हो रहा है वहां सही ढंग से काम करवाया जाए। इस काम की वजह से जसूर की मार्किट में सभी दुकानदार परेशान हैं इस कार्य के चलते जो धूल मिट्टी उठ कर दुकानों में घरों में जा रही है उससे बिमारी फैल रही है दुकानदारों का बिजनेस प्रभावित हो रहा है। कल्याण सभा के अध्यक्ष ने एसडीएम नूरपुर से इन सब समास्याओं का हल 15 दिनों में निकालने का अनुरोध भी किया और कहा अन्यथा हम सब कोई बड़ा आन्दोलन करने पर मजबूर हो जाएंगे।

एसडीएम नूरपुर गुरसिमर सिंह ने कहा कि हमारे पास बहुत सारे फोरलेन निर्माण कार्य से प्रभावित लोग हैं वह मिलने आए हैं और इन्होंने हमें ज्ञापन भी सौंपा है इनके दोबारा रखें मुख्य मुद्दों पर हमने इनके साथ चर्चा की है जिन की रोड की वजह से दुर्घटना या मृत्यु हुई है उसको लेकर हम बात करेंगे और हम जल्द एन एच आई ए के साथ एक बैठक करेंगे और जो इशू इन लोगों द्वारा उठाए गए हैं उनका जल्द हल करवाए ।। रोड सेफ्टी नियमों का ध्यान रखने को लेकर हमने पहले एन एच आई ए को पत्र लिखकर बता दिया है अब एक फिर इनके साथ बात की जाएगी । कुछ जगहों पर इन्होंने नियमो का पालन करना शुरू कर दिया है कस्बा जसूर में पिल्लरों के कार्य को लेकर जो वहां के लोगों को परेशानियां हो रही है या खड्डों की वजह से जो धूल मिट्टी उठ रही उसको लेकर बात की जाएगी और इन सब समास्याओं का हल जल्द करवाया जाएगा।

क्या होती है अर्ली प्यूबर्टी, कहीं आपका बच्चा भी तो समय से पहले नहीं हो गया जवान?

बच्चे के जन्म के 12 से 14 साल की उम्र में उसके शरीर में बदलाव होने लगते है, लेकिन आजकल कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिसमे अधिकतर बच्चों में समय से पहले शारीरिक बदलाव होने लगे हैं। मेडिकल की भाषा में इसको अर्ली प्यूबर्टी कहते हैं। उम्र से पहले शारीरिक बदलावों का आना शरीर को कई समस्याओं का शिकार कर सकता हैं। ऐसे में इसके संकेत समझना ज़रूरी हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, आमतौर पर लड़को में प्यूबर्टी की उम्र 12 से 14 साल के बीच होती है। वहीं, लड़कियों में 10 से 13 साल की उम्र में प्यूबर्टी आती है। लेकिन अर्ली प्यूबर्टी के दौरान लड़कियों में 7 से 8 साल की उम्र से ही प्यूबर्टी केलक्षण दिखने लग जाते हैं।

वहीं लड़कों के शरीर में 9-10 साल की उम्र में ही बदलाव आने लगते हैं। छोटी उम्र में ही इन लक्षणों को नज़र आना बच्चों की हेल्थ के लिए अच्छा नहीं है। आइए जानते हैं अर्ली प्यूबर्टी के लक्षण क्या है।लड़कियों में ब्रेस्ट का आकार बढ़ना और उसमें पहले पीरियड 8 से 9 साल की उम्र मे होना, लड़कों में पेनिस के साइज का बढ़ना और भारी आवाज होना, प्यूबिक या अंडरआर्म के बालो की तेजी से ग्रोथ और मुंहासे आना अर्ली प्यूबर्टी के लक्षण माने जाते हैं।

क्यों होती है अर्ली प्यूबर्टी

एम्स में डॉक्टर विक्रम बताते हैं किशरीर में अर्ली प्यूबर्टी आने का कारण हार्मोन में बदलाव हैं। इसके अलावा ओबेसिटी यानी मोटापा और खराब खानपान भी इसके मुख्य कारण हैं। बहुत बार जेनेटिक्स की वजह से भी अर्ली प्यूबर्टी शुरू हो जाती है। अर्ली प्यूबर्टी के कारण शरीर में काफी परेशानी भी हो सकती है। अर्ली प्यूबर्टी की वजह से लड़कियों में पीरियड्स उम्र से पहले शुरू हो जाते हैं। जिसके कारण उन्हें शरीर मे बदलाव महसूस होने लगता और इसका सीधा असर मेंटल हेल्थ पर पड़ सकता है।

समय से पहले शारीरिक बदलाव के कारण बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं। जिसके दौरान वे खुद को समाज से अलग करने लगते हैं। अर्ली प्यूबर्टी का शिकार हुए कुछ बच्चों में वजन बढ़ने की समस्या दिख सकती है। छोटी उम्र में शारीरिक बदलाव के कारण बच्चों में अचानक वजन बढ़ सकता है।

अर्ली प्यूबर्टी से बचाव

अर्ली प्यूबर्टी से शिकार बच्चे एक्सरसाइज करें।

बच्चे विटामिन, मिनरल और फाइबर वाले फूड्स खाएं

जंक फूड्स से दूर रहें

स्ट्रेस फ्री और खुश रहने की कोशिश करें

तेज गर्मी स्किन को कर सकती है खराब, डॉक्टर से जानें बचाव के तरीके

अप्रैल के महीने में भी देश के कई इलाकों में तेज गर्मी पड़ रही है। गर्मी की वजह से हीट स्ट्रोक समेत कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। बढ़ता तापमान आपकी स्किन को भी खराब कर सकता है। इस मौसम में स्कन पर इंफेक्शन इंफेक्शन होने की आशंका बढ़ जाती है। लोगों को स्किन पर लाल दाने निकलना, खुजली, जलन और स्किन का डार्क होना जैसी समस्या का सामना करना पड़ना पड़ता है। ऐसे में इनसे बचाव जरूरी है। गर्मियों में स्किन की देखभाल कैसे करें? आइए इसके बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

मैक्स हॉस्पिटल में डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ। सौम्या सचदेवा बताती हैं कि गर्मी का ये मौसम स्किन को खराब कर सकता है। पसीने के ग्लैंड बंद होने के कारण ऐसा होता है। गर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल मिट्टी और एलर्जी की वजह से स्किन की बीमारियां हो सकती है। इस मौसम में कुछ लोगों के शरीर पर लाल दाने निकलने की समस्या भी बढ़ जाती है। ये दाने पीठ पर ज्यादा निकलते हैं औरचेहरे व हाथों पर भी आ सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को ऐसी कोई परेशानी हो रही है तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इस मामले में खुद से दवा नहीं लेनी चाहिए। इससे नुकसान हो सकता है।

सनबर्न की समस्या हो जाती है

डॉ सौम्या बताती हैं कि तेज गर्मी में ज्यादा देर तक

रहने सेसनबर्न की परेशानी भी हो जाती है। इसकी वजह से स्किन खराब बो सकती है और शरीर पर दाने निकल सकते हैं। इसलिए इस मौसम में धूप से भी बचाव करना जरूरी है। धूप में बाहर निकलते समय चेहरे और पूरे शरीर को कवर रखें। बाहर जाने से 15 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं। कोशिश करें कि सनस्क्रीन एसपीएफ 30 से ज्यादा वाली हो।

प्रचण्ड समय

दोपहर में 12 से 4 बजे के बीच बाहर जानें से बचे। अगर जाना जरूरी है तोबाहर जाने के बाद पानी भी पीते रहें और इस दौरान मौसमी फलों का भी सेवन करें। ऐसे फल खाएं जिनमें पानी होता है और विटामिन सी वाले फलों का भी सेवन करें। इसके लिए संतरा खाएं और तरबूज व खरबूजा को भी डाइट में शामिल करें।

इन बातों का ध्यान रखें

अगर इस मौसम में स्किन पर कोई धब्बा बन रहा है या पीठ पर अचानक से दाने निकलने लगे हैं तो ये किसी समस्या का संकेत है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। समय पर इलाज से स्किन की बीमारी को गंभीर होने से बचाया जा सकता है।

सर्दी खांसी है या मलेरिया हुआ? कैसे करें पहचान

साल 2021 में दुनियाभर में मलेरिया के करीब 25 करोड़ केस आए थे। 5 करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत भी हुई थी। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मच्छर के काटने से होने वाली ये बीमारी कितनी खतरनाक है। इसके बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। मलेरिया की रोकथाम काफी आसान है, लेकिन फिर भी इस बीमारी से करोड़ों लोगों की मौत हो जाती है। भारत में भी हर साल मलेरिया के मामले आते हैं, हालांकि बीते कुछ सालों से केस में कमी दर्ज की जा रही है। लेकिन आज भी यह बीमारी बारिश के मौसम और तेज गर्मी में खतरनाक बन जाती है।

सबसे चिंता की बात यह है कि दशकों पुरानी इस बीमारी को लेकर लोगों के मन में एक कन्फ्यूजन रहता है। समस्या ये होती है कि लोग इसके लक्षणों की पहचान नहीं कर पाते हैं। बारिश और तेज गर्मी के मौसम में कई दूसरी बीमारियां भी पनपती हैं। ऐसे में मलेरिया और सर्दी या सामान्य वायरल के लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती है। इस कारण ही मलेरिया के कई केस काफी देरी से पकड़ में आते हैं। कुछ मामलों में तो इस देरी की वजह से यह बीमारी मौत का कारण तक बन जाती है। ऐसे में आपके लिए यह जानना जरूरी है कि आपको सर्दी खांसी हुई है या मलेरिया हुआ है? आइए इस बारे में डॉक्टरों से जानते हैं।

कैसे पता चले के ये मलेरिया की बीमारी है?

इस बारे में सफदरजंग हॉस्पिटल में कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग में एचओडी प्रोफेसर डॉ जुगल किशोर से जानते हैं। डॉ किशोर कहते हैं कि मलेरिया की पहचान ये है कि इसमें तेज बुखार होता है। इसके साथ हल्की-हल्की ठंड भी लगती है। कुछ लोगों को काफी थकावट बनी रहती है और उल्टी दस्त भी हो जाता है। लक्षण गंभीर होने पर सांस लेने में परेशानी और लगातार खांसी आने की समस्या भी रहती है। जबकि, सामान्य सर्दी या वायरल बुखार में सांस लेने में परेशानी या फिर उल्टी -दस्त की शिकायत नहीं देखी जाती है। सामान्य फीवर में मांसपेशियों में दर्द या फिर हल्की ठंड

नहीं लगती है।

कैसे फैलता है मलेरिया

डॉ जुगल किशोर बताते हैं कि मलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है, लेकिन इसके फैलने के कई दूसरे तरीके भी हैं। अगर कोई गर्भवती महिला मलेरिया से संक्रमित है तो ये बीमारी उसके बच्चे में भी फैल सकती है। ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान भी संक्रमण फैलने का रिस्क रहता है। हालांकि भारत में अब मलेरिया से पहले जैसा खतरा नहीं है। मलेरिया से होने वाली मौतें और इसके मामलों में कमी आ रही है, लेकिन फिर भी सावधानी बरतनी जरूरी है।

प्रचण्ड समय

क्या है इलाज

डॉ किशोर बताते हैं कि मलेरिया की वैक्सीन भी मौजूद है। हालांकि अभी वैक्सीन का यूज अफ्रीका के देशों के लोगों के लिए किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अफ्रीकी देशों में मलेरिया के काफी केस सामने आते हैं। मलेरिया की वैक्सीन लगने के बाद इस बीमारी की रोकथाम हो जाती है। मलेरिया के इलाज की बात करें तो इसके लिए एंटी मलेरियल मेडिसिन होती है। दवाएं इस आधार पर दी जाती हैं कि शरीर में मलेरिया की बीमारी कौन से मलेरिया के पैरासाइट से हुई है और लक्षण कैसे हैं। अगर कोई महिला गर्भवती है तो अलग दवाएं होती हैं

कैसे करें पहचान

मलेरिया की पहचान के लिए एक आसान टेस्ट होता है

इस टेस्ट में ब्लड में पैरासाइट का पता लगाया जाता है। इसके लिए ब्लड टेस्ट होता है

फ्लोर पर पहुंची सनी देओल की 'लाहौर 1947', प्रीति जिंटा ने लीक कीं सेट से पहली तस्वीरें

मुंबई. बॉलीवुड स्टार सनी देओल की फिल्म गदर 2 साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा धमाल मचाया था सभी लोग दंग रह गए थे। इस मूवी में सनी देओल ने पाकिस्तान को जमकर धोया था। फिल्म में बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस अमीषा पटेल भी नजर आई थी। इस बीच अब सनी देओल की अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की चर्चा तेज हो गई है। इस मूवी को लेकर आए दिन कोई न कोई अपडेट सामने आ रहे है। अब ये खबर सामने आई है कि इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है।

प्रीति जिंटा ने शेयर कीं फोटोज

एंटरटेनमेंट वर्ल्ड की जानी मानी एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो कि इंटरनेट वर्ल्ड में तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आई इन तस्वीरों के जरिए प्रीति जिंटा अपने फैंस को ये बता रही हैं कि लाहौर 1947 की शूटिंग शुरू हो गई है। बता दें कि इस फोटो में प्रीति जिंटा के साथ डायरेक्टर राजकुमार संतोषी नजर आ रहे हैं। प्रीति जिंटा और राजकुमार की ये फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रीति जिंटा की हर अदा पर लोग फिदा हैं।

बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं प्रीति जिंटा

बताते चलें कि वैसे तो प्रीति जिंटा ने कई फिल्मों में अपना जलवा बिखेरा हैं इस लिस्ट में चोरी चोरी चुपके चुपके', 'कोई मिल गया', 'कल हो ना हो', 'वीरा जारा' के नाम शामिल है। हालांकि अब सालों बाद प्रीति जिंटा बॉलीवुड में धमाल मचाने वाली हैं। इस बात से उनके फैंस काफी खुश हैं। बता दें कि सनी देओल के लिए सला 2023 काफी अच्छा गया था। उनकी फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए थे।

आयुष्मान खुराना के हाथ लगी करण जौहर की फिल्म, वरुण धवन ने फैंस संग काटा केक

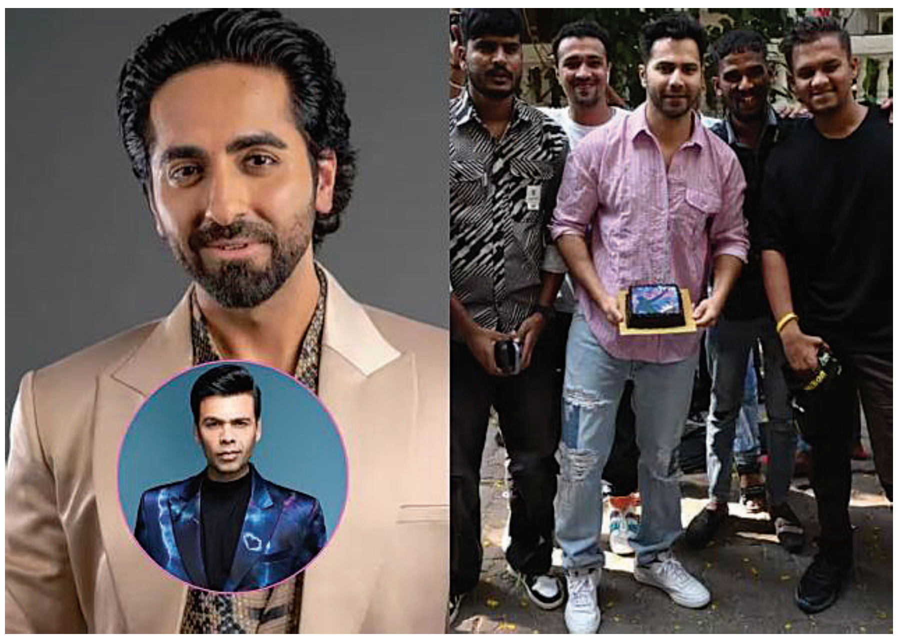

मुंबई. आयुष्मान खुराना ने करण जौहर और गुनीत मोंगा के साथ एक स्पाई कॉमेडी फिल्म करने के लिए हाथ मिलाया है। इस फिल्म को आकाश कौशिक डायरेक्ट करेंगे। वरुण धवन 24 अप्रैल को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। वरुण धवन ने अपने घर के बाहर आए फैंस और पैपराजी के साथ केक काटा है।

आयुष्मान खुराना के हाथ लगी करण जौहर की फिल्म

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं और जिन्हें काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब आयुष्मान खुराना को लेकर खबर आ रही है कि उनके हाथ एक फिल्म लग गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आयुष्मान खुराना ने करण जौहर और गुनीत मोंगा के साथ एक स्पाई कॉमेडी फिल्म करने के लिए हाथ मिलाया है। इस फिल्म को आकाश कौशिक डायरेक्ट करेंगे।

वरुण धवन ने फैंस संग काटा केक

वरुण धवन 24 अप्रैल को अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर वरुण धवन के तमाम चाहने वाले फैंस सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बधाई दे रहे हैं। वहीं, वरुण धवन ने अपने घर के बाहर आए फैंस और पैपराजी के साथ केक काटा है। वरुण धवन के केक काटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और उसे पसंद किया जा रहा है।

'ड्रीम गर्ल 3' में आयुष्मान संग नजर आएंगी सारा? सुहाना की 'किंग' में डॉन बनेंगे शाहरुख!

मुंबई. आयुष्मान खुराना की फिल्म 'ड्रीम गर्ल' के पहले और दूसरे पार्ट को लोगों ने काफी प्यार दिया है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म का तीसरा बनाने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'ड्रीम गर्ल 3' में आयुष्मान खुराना के साथ सारा अली खान नजर आने वाली हैं।

गौरतलब है कि 'ड्रीम गर्ल' में नुसरत भरूचा और 'ड्रीम गर्ल 2' में अनन्या पांडे नजर आई थीं।

सुहाना खान की फिल्म 'किंग' में डॉन का रोल करेंगे शाहरुख खान

शाहरुख खान को लेकर बड़ी खबर सामने आई है जिससे उनके फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। दरअसल, शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान की फिल्म 'किंग' में डॉन का रोल करने वाले हैं। सुहाना खान की इस फिल्म को सुजॉय घोष डायरेक्ट करने वाले हैं। इस तरह से शाहरुख खान को फैंस एक बार फिर डॉन के रोल में देख पाएंगे।

फिल्म 'छावाः द ग्रेट वॉरियर' से विक्की कौशल का लुक वायरल

विक्की कौशल की फिल्म 'छावाः द ग्रेट वॉरियर' जब से अनाउंस हुई तब से चर्चा में बनी हुई है। लक्ष्मण उतरेकर के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म के सेट विक्की कौशल का लुक वायरल हो रहा है। फिल्म से विक्की कौशल का लुक देखकर फैंस एक्साइटेड हो गए हैं। फिल्म 'छावाः द ग्रेट वॉरियर' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महराज की रोल में नजर आने वाले हैं।

'जिंदा बंदा' पर मोहनलाल के डांस करने से शाहरुख खान हुए खुश

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के गाने 'जिंदा बंदा' पर साउथ स्टार मोहनलाल का डांस वीडियो वायरल हो रहा है। शाहरुख ने इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर कर लिखा, 'मोहनलाल सर, इस गाने को मेरे लिए और भी खास बनाने के लिए शुक्रिया। जितना शानदार डांस आपने किया है, काश उसका आधा भी मैं कर पाता। लव यू सर और मैं घर पर आपके साथ डिनर करने का इंतजार कर रहा हूं। जिंदा बंदा के ओजी हैं आप।'

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।